YouTube AJJ KA MUDDA

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र

Website : www.aajkamudda.com
Email:muddaaajka@gmail.com

आज का मुद्दा

नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

नजर आपकी खबर आपकी

वर्ष : 15 अंक 37 नोएडा गौतमबुद्धनगर, मंगलवार 25 फरवरी 2025 RNI-No. UPHIN/2011/37197 पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 19वीं किस्त की जारी

चंडीगढ़, 24 फरवरी (संजय राय) आत्मनिर्भर भारत की पहचान सशक्त और समृद्ध किसान की अवधारणा को धरातल पर उतारते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार के भागलपुर से पीएम किसान सम्मान निधि के तहत देशभर के किसानों के खातों में 19वीं किस्त जारी की। इसमें हरियाणा के 16 लाख 38 हजार किसानों के खातों में लगभग 360 करोड़ रुपये की राशि डाली गई। इस उपलक्ष्य में जिला झज्जर में राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इसके अलावा, सभी जिलों में भी किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जहां कैबिनेट व राज्य मंत्रियों ने शिरकत की। कार्यक्रमों के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा किसानों को दिए गए संबोधन को लाइव सुना गया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने किसानों का आह्वान किया कि खेती को व्यावसायिक रूप देने के लिए किसान खेती में नवाचार और नई तकनीकों को अपनाएं। अपने उत्पादों की मार्केटिंग स्वयं करें, तभी कृषि को और अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर भी कदम बढ़ाएं। संसाधनों का सही उपयोग कर अपनी खेती को समृद्ध बनाएं। सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर स्वयं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज झज्जर जिले के भी 77 हजार किसानों के खातों में 17 करोड़ 41 लाख रुपये की राशि डाली गई है। इससे पहले 18 किस्तों में प्रदेश के लगभग 20 लाख किसानों को कुल

6 हजार 203 करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है।

कृषि को लाभकारी बनाने व किसानों के आर्थिक उत्थान के लिए केन्द्र सरकार ने चलाई अनेक योजनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लघु और सीमांत किसानों के आर्थिक हालात को समझते हुए 24 फरवरी, 2019 को 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना का शुभारंभ किया। इसके तहत लघु और सीमांत किसानों को हर वर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में दी जाती है। कृषि को और अधिक लाभकारी बनाने किसानों के आर्थिक उत्थान के लिए केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, पशुधन बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना और परंपरागत कृषि विकास योजना आदि शुरू की हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए 4 स्तम्भों- किसान, गरीब, महिला व युवा पर विशेष जोर देने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री का मानना है कि किसानों की समृद्धि के बिना देश में खुशहाली नहीं आ सकती। उनके इसी विजन को साकार करने के लिए हरियाणा सरकार प्रदेश में किसानों की खुशहाली और कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। हरियाणा सरकार केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को भी कारगर ढंग से लागू कर रही है। ये योजनाएं डबल इंजन सरकार की संकल्पबद्धता का प्रतीक हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश का कृषि बजट 24 हजार करोड़ रुपये था, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज बढ़कर 1,26,000 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को नई तकनीक से जोड़ने, नई सुविधाएं देने, पैदावार बढ़ाने और उसे उपज का

आतिशी बोलीं-

सीएम दफ्तर से भगत सिंह-अंबेडकर की तस्वीरें हटाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के सत्र के दौरान सोमवार को विपक्ष (आप) ने हंगामा किया। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने आरोप लगाया कि दिल्ली में भाजपा के सत्ता में आते ही सीएम ऑफिस से बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें हटाई गई हैं।

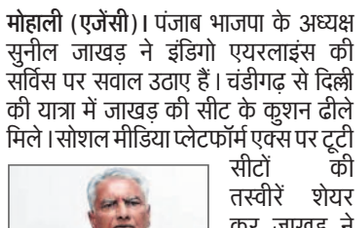

आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा की मानसिकता सिख और दलित विरोधी है। उन्होंने कहा- अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के हर दफ्तर में बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें लगाई थीं। आतिशी के आरोप लगाने के करीब 2 घंटे बाद दिल्ली बीजेपी ने सीएम रेखा गुप्ता के दफ्तर की नई तस्वीर जारी की। इसमें रेखा गुप्ता की सीट के पीछे वाली दीवार पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, पीएम मोदी और महात्मा गांधी की तस्वीर नजर आ रही हैं। पास वाली दीवार पर बाबा साहेब अंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीरें नजर आ रही हैं।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष को इंडिगो फ्लाइट में टूटी सीट मिली

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने इंडिगो एयरलाइंस की सर्विस पर सवाल उठाए हैं। चंडीगढ़ से दिल्ली की यात्रा में जाखड़ की सीट के कुशन ढीले मिले। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टूटी सीटों की तस्वीरें शेयर कर जाखड़ ने कहा, जब उन्होंने इसे लेकर क्रू मेंबर्स से बात की तो उन्होंने कंपनी की वेबसाइट पर जाकर शिकायत करने को कहा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को देखना चाहिए कि प्रमुख एयरलाइंस का यह 'चलता है'वाला रवैया सुरक्षा मानदंडों तक न बढ़े। इससे पहले, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एअर इंडिया की सुविधाओं पर सवाल उठाए थे। शिवराज को फ्लाइट में टूटी सीट पर बैठकर यात्रा करनी पड़ी थी।

कोलकाता में 3 लाश मिलीं, नसें कटीं, गर्दन पर घाव

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में 19 फरवरी को एक ही परिवार की 14 साल की लड़की और दो महिलाओं की लाश मिली। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इनकी हत्या की साजिश की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों महिलाओं की नसें कटी हुई थीं और गर्दन पर घाव के गहरे निशान थे।

नाबालिग की मौत जहर खाने से हुई थी। तीनों की मौत पुलिस के लिए मिस्ट्री बनी हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस इसे हत्या का मामला बता रही है और उसी आधार पर जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि जिस दिन तीनों की लाश मिली, उसी दिन दोनों महिलाओं के पतियों की कार का एक्सीडेंट हुआ। एक्सीडेंट में 3 लोग घायल हुए। फिलहाल तीनों अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें दोनों मृत महिलाओं के पति प्रणय डे और प्रसून डे शामिल हैं। रिश्ते में दोनों भाई हैं।

एमपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट : पीएम मोदी ने किया शुभारंभ, कहा -

मप्र में निवेश का यही समय है और सही समय है

- देश की ईवी क्रांति का लीडिंग स्टेट बना एमपी
- विश्व जो विश्वास भारत पर कर रहा है, भारत को वही विश्वास मध्यप्रदेश पर है
- म.प्र. मैन्युफैक्चरिंग के नये सेक्टर्स के लिये शानदार डेस्टिनेशन
- अपनी क्षमता से देश के शीर्ष पाँच राज्यों में शामिल होगा मध्यप्रदेश
- पीएम मोदी ने की मध्यप्रदेश की 18 उद्योग फ्रैन्डली नीतियां लॉन्च
- मन मोह लेता है भोपाल का रानी कमलापति रेलवे स्टेशन
- मध्यप्रदेश अगले पाँच वर्ष में राज्य की अर्थव्यवस्था को करेगा दोगुना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव
- प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 को 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' के रूप में मनाने के निर्णय के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सराहा

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित मध्यप्रदेश से विकसित भारत के उद्देश्य से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई दी। प्रधामनंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए आशान्वित है।

भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता को सिद्ध किया है, जिसके परिणाम स्वरूप सम्पूर्ण विश्व भारत पर विश्वास प्रकट कर रहा है। प्रधामनंत्री श्री मोदी ने कहा कि यही विश्वास हम मध्यप्रदेश में अनुभव कर रहे हैं। मध्यप्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से देश का पांचवां बड़ा राज्य है, कृषि और खनन में अग्रणी है, इसके साथ ही राज्य को माँ नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। देश में हो रहे अधोसंरचना विकास का लाभ मध्यप्रदेश को मिला है, दिल्ली, मुम्बई नेशनल हाईवे का बड़ा भाग मध्यप्रदेश से निकलता है, प्रदेश में पाँच लाख किलोमीटर का रोड नेटवर्क है और लॉजिस्टिक्स की यहाँ अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। मध्यप्रदेश में हर वो क्षमता है, जो इसे देश के शीर्ष पाँच राज्यों में ला सकता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने के लिए बधाई दी।

पीएम के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने प्रदेशवासी प्रतिबद्ध : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सतत विकास और औद्योगिक निवेश की दिशा में नए कदम बढ़ाऐ जा रहे है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की थीम 'अनंत संभावनाएँ है, जो प्रदेश में उद्योग और निवेश की असीमित संभावनाओं को दर्शाती है। 'अनंत संभावनाएँ' केवल एक विचार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में अवसरों की व्यापकता को दर्शाने वाला दृष्टिकोण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास' का मंत्र दिया, जिसमें यह संदेश समाहित है कि जब संभावनाओं के अनंत आकाश में हम साथ मिलकर आशा की ज्योत जलाते हैं, तो एक नहीं, बल्कि सभी के आंगन रोशन होते हैं और यही हमारी सनातन संस्कृति है।

अडाणी समूह द्वारा प्रदेश में एक लाख 10 हजार करोड़ रूपए का निवेश

प्रधानमंत्री श्री मोदी की उपस्थिति में विभिन्न उद्योगपतियों और औद्योगिक समूहों के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश में औद्योगिक इकाइयों के संचालन और गतिविधियों के विस्तार के संबंध में अपने अनुभव साझा किए। इसके अंतर्गत अडाणी ग्रुप के चेयरमेन श्री गौतम अडाणी ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। भविष्य में उनके समूह की एक लाख 10 हजार करोड़ रूपए की योजना है।

बिहार में पीएम मोदी बोले-

जंगलराज वाले महाकुंभ को गाली दे रहे

भागलपुर में कहा- जो लोग पशुओं का चारा खा सकते हैं, वह परिस्थितियां नहीं बदल सकते

प्रधानमंत्री ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की

भागलपुर (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिहार के भागलपुर में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ये जो जंगलराज वाले हैं, इनको हमारी धरोहर, आस्था से नफरत है। हमारे देश में आस्था का महाकुंभ चल रहा है। पूरे यूरोप की जितनी आबादी है, उससे भी ज्यादा लोग कुंभ में डुबकी लगा चुके हैं, लेकिन ये जंगलराज वाले महाकुंभ को गाली दे रहे हैं। राम मंदिर से चिढ़ने वाले लोग महाकुंभ को भी कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। जनता इन्हें माफ नहीं करेगी। मोदी ने आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव को को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि- जिन्होंने पशुओं का चारा खाया वे परिस्थितियों को बदल नहीं सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की। पीएम ने अंगिका (बिहार की बोली) में लोगों को प्रणाम किया। नीतीश कुमार को लाडला मुख्यमंत्री बताया।

6 बार जंगलराज, 3 बार कांग्रेस का जिक्र- मोदी ने अपने भाषण में 6 बार जंगलराज और 3 बार कांग्रेस का जिक्र कर घेरा। कहा- पहले छोटे किसानों का हक बिचौलिये हड़प लेते थे, लेकिन ये मोदी है, नीतीश जी हैं, जो किसानों का हक किसी को नहीं खाने देंगे। कांग्रेस वाले और जंगलराज वाले सरकार में थे तो इन लोगों ने खेती का कुल जितना बजट रखा था? उससे कई गुना ज्यादा पैसा तो हम किसानों के बैंक खातों में भेज चुके हैं। ये काम कोई भ्रष्टाचारी नहीं कर सकता है।

पीएम मोदी का मोटापे के खिलाफ कैंपेन

10 प्रमुख हस्तियों को नॉमिनेट किया, इनमें आनंद महिंद्रा और उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मोटापे के खिलाफ कैंपेन शुरू किया। उन्होंने इसके लिए अलग-अलग क्षेत्रों के 10 प्रमुख हस्तियों को नॉमिनेट किया। इनमें जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा और मनू भाकर जैसी हस्तियों का नाम है।

कैंपेन के जरिए नॉमिनेट किए गए लोग मोटापे के खिलाफ लोगों को अवेयर करने का काम करेंगे। इसके लिए वो भी 10-10 लोगों को नॉमिनेट कर सकेंगे, ताकि कैंपेन धीरे-धीरे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री ने 23 फरवरी को मन की बात में मोटापे के खिलाफ कैंपेन शुरू करने की बात कही थी।

श्याम भोज मंदिर सियाणा में धूमधाम से मनाया गया मूर्ति स्थापना दिवस

आज का मुद्दा

उत्तर प्रदेश : सियाणा के श्याम भोज मंदिर में सातवां मूर्ति स्थापना दिवस श्रद्धालुओं ने बड़ी धूमधाम से मनाया सुबह से ही भजन कीर्तन का कार्यक्रम का आयोजन हुआ और भंडारे में प्रसाद वितरण किया गया इस कार्यक्रम में समस्त क्षेत्र से बड़ी संख्या में भक्त जनों ने भाग लिया और धर्म लाभ उठाया ज्ञात रहे की यह वही महान तीर्थ स्थल है जहां भगवान कृष्ण ने माता रुक्मणी का हरण कर रात्रि विश्राम और भोज किया था इसीलिए इस जगह का नाम श्याम भोज पड़ा यह मंदिर बहुत चमत्कारी मंदिर है लोगों की मनोकामनाएं रोज पूरी होती रहती हैं और यहां श्रद्धालुओं का जमघट लगा रहता है कार्यक्रम में मौजूद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद चौधरी ऋषिपाल सिंह ने कहा कि जितना भगवान की कृपा होगी वह इस मंदिर से जुड़े रहेंगे और दान धर्म में कभी पीछे नहीं रहेंगे आज भी उन्होंने बड़ी सहयोग राशि मंदिर निर्माण हेतु भेंट की और सभी क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक मंदिर में दान करने की अपील की ताकि है ऐतिहासिक भूमि और भव्य रूप में तैयार हो सके इस अवसर पर चौधरी पविंदर सिंह, शिव कुमार सिंह, दयाचंद दरोगा जी, राजू भट्टे वाले, भोपाल सिंह, दो भाई कपड़े वाले, सियाणा डिग्री कॉलेज के अध्यक्ष उमेश कुमार गोयल, ललित त्रिवेदी समाजसेवी, आदि हजारों भक्तों ने भाग लिया, और श्री कृष्णा और माता रुक्मणी का गुणगान किया,मंदिर से जुड़े लोगों में जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी दिखी उनका कहना है कि सड़क निर्माण के लिए जनप्रतिनिधि हर बार कह जाते हैं लेकिन अभी तक भी किसी ने सड़क नहीं बनवाई है मंदिर को हापुर रोड वाली सड़क से जोड़ने के लिए यह मात्र 400 मी का टुकड़ा है, मंदिर समिति द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की है कि इस ऐतिहासिक धरोहर को सड़क प्रदान करने में सहायता करें

युवक की परिवार से बात करते हार्टअटैक से मौत

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। परिवार ने पहले कर्ज लेकर बेटे को कमाने के लिए पुर्तगाल भेजा और अब दोबारा 20 से 22 लाख रुपए का कर्ज लेकर उसकी डेडबॉडी मंगानी पड़ी। कुरुक्षेत्र के पिहोवा के रहने वाले संटी मेहरा का शव सोमवार सुबह उसके घर पहुंचा।

संटी 8 साल से पुर्तगाल में रह रहा था। 21 जनवरी को परिवार से फोन पर बात करते हुए हार्टअटैक से उसकी मौत हो गई। 4 दिन बाद ही उसे भारत लौटना था। घर में संटी की शादी की बात चल रही थी। उसे घर आने के बाद लड़की देखने के लिए जाना था। घर में इकलौते कमाने वाले संटी की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

8 साल पहले पुर्तगाल गया था संटी- पिहोवा के टली फार्म के रहने

वाले बंटी मेहरा ने बताया कि 2016 में उसका छोटा भाई संटी पुर्तगाल गया था। उसे पुर्तगाल की नागरिकता मिल चुकी थी।

परिवार से बात करते हुए चीख निकली

भाई बंटी ने बताया कि संटी फोन पर मां सोमा देवी, भाभी हर्षदीप कौर और भतीजी रहमतप्रीत कौर से बात कर रहा था। बात करते-करते अचानक संटी के हाथ और पैर सुन्न हो गए। उसकी चीख निकली और फोन में आवाज आनी बंद हो गई। परिवार के लोगों ने उसके दोस्तों को घटना के बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने करीब 23 बार लगातार संटी को कॉल की, लेकिन किसी ने कॉल नहीं उठाई।

कितनी उचित है गंगाजल पर बयान बाजी

रमेश सर्राफ धमोरा

गंगाजल की शुद्धता को लेकर राज्य और केंद्रीय पॉल्यूशन बोर्ड में जो खींचतान मची हुयी है उसका असर कुम्भ स्नान के लिये आने वाले लोगों पर नहीं देखा जा रहा है। आनेवालों की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। लोगों की आस्था में कहीं कोई कमी नही देखी जा रही है। प्रयागराज के महाकुम्भ में करोड़ो लोगो ने स्नान किया है मगर किसी कोई दिक्कत होने की खबर नहीं मिली है। ऐसे में गंगाजल की शुद्धता को लेकर विवाद करने से अच्छा है जनभावनाओं का सम्मान करें।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। विद्वान पंडितों का कहना है कि 144 वर्षों के बाद इस बार का महाकुंभ विशेष योग में संपन्न हो रहा है। ऐसे में यहां स्नान करने का सर्वाधिक महत्व है। मकर संक्रांति से प्रारंभ होकर महाशिवरात्रि तक चलने वाला महाकुंभ अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान कर लिया है। समापन तक यह संख्या करीबन 65 करोड़ पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस बार महाकुंभ में जितने लोगों ने स्नान किया है वह दुनिया के एक-दो देशों को छोड़कर अधिकांश देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक होती है। भारत के ही नहीं अपितु विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर पूजा अर्चना की है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, सांसद, विधायक सहित देश के आम लोगों के मन में कुंभ स्नान के प्रति जो श्रद्धा देखी जा रही है। वैसी श्रद्धा इससे पहले शायद ही देखी गई होगी।

हालांकि मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ के संगम तट पर भगदड़ मचने से करीबन 37 लोगों की भीड़ में दबकर मौत हो गई थी। इसी तरह कुंभ आने के लिए नई दिल्ली स्टेशन पर एकत्रित भीड़ में भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी जिसमें प्रशासनिक लापरवाही का भी बहुत बड़ा हाथ माना जा रहा है। हालांकि दोनों ही घटनाओं की उच्च स्तरीय जांच हो रही है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही असली दोषियों का पता चल सकेगा।

शांतिपूर्वक संपन्न हो रहे कुंभ में ऐसी दो दुर्घटनाएं होने के बाद भी कुंभ स्नान करने वालों की संख्या में कमी नहीं हुई बल्कि दिन प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। वर्तमान में हर दिन सवा करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में गंगा स्नान कर रहे हैं। आने वाली महाशिवरात्रि पर यह संख्या कई गुना अधिक होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। जिसको लेकर बड़े स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां की जा रही है। ताकि महाकुंभ में किसी तरह की दुर्घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रयागराज आकर महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान की तैयारी का जायजा ले चुके हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी चैकसी बरतने के निर्देश दिए हैं।

जहां एक तरफ महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं

इस बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा-यमुना का पानी नहाने के योग्य नहीं है। सीपीसीबी ने इस रिपोर्ट को तीन फरवरी को तैयार किया था। रिपोर्ट को तैयार करने के लिए सीपीसीबी ने नौ से 21 जनवरी के बीच प्रयागराज में अलग-अलग जगह पर गंगा-यमुना के 73 सैंपल जमा किए। इन सैंपलों की छह मानकों पानी का पीएच वैल्यू, फीकल कोलीफॉर्म, बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, केमिकल ऑक्सीजन डिमांड और डिजॉल्वड ऑक्सीजन पर जांच की गयी। जितने भी जगहों से सैंपल लिए गए हैं उनमें ज्यादातर में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक पाई गई है। बाकी के पांच मानकों पर पानी की गुणवत्ता मानक के मुताबिक मिली। सीपीसीबी की वेबसाइट पर दिए आंकड़ों के मुताबिक 29 जनवरी को संगम पर गंगा में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 2300 पाई गई थी। 29 जनवरी को ही मौनी अमावस्या का पर्व था। इसे महाकुंभ में सबसे बड़ा अमृत स्नान माना गया है। उस दिन गंगा-यमुना में कई करोड़ लोगों ने डबकी लगाई थी।

महाकुंभ में गंगा के जल की शुद्धता को लेकर लगातार सवालो के बीच देश के जाने-माने वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. अजय सोनकर ने गंगा के जल को सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया है। संगम, अरैल समेत पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच के बाद उन्होंने यह दावा किया है। उनका कहना है कि महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु के गंगा में स्नान के बाद भी इसकी शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि उन्होंने अपनी नैनी स्थित प्रयोगशाला में गंगा के जल की जांच की। गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को प्रयोगाशाला में जांच की चुनौती भी दी। कहा है कि जिसे जरा भी संदेह हो वह मेरे सामने गंगा जल ले और हमारी प्रयोगशाला में जांच कर संतुष्ट हो जाए।

शीर्ष भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सोनकर ने कहा है कि गंगाजल सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया खाने वाला) के कारण गंगा जल की शुद्धता बरकरार है। प्रयोगशाला में जल के नमूनों को 14 घंटों तक इंक्यूबेशन तापमान पर रखने के बाद भी उनमें किसी भी प्रकार की हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई। डॉ. अजय सोनकर ने कहा कि गंगा का जल न केवल स्नान के लिए सुरक्षित है। बल्कि इसके संपर्क में आने से त्वचा संबंधी रोग भी नहीं होते हैं। डॉ. अजय कुमार सोनकर ने बताया कि पांच घाटों से गंगा जल के नमूने लिए और लैब में सूक्ष्म परीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद जल में न तो बैक्टीरियल ग्रोथ हुई न ही जल के पीएच स्तर में कोई गिरावट आई। इस शोध में पाया कि गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। जो किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। इस वजह से जल दूषित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता (पीएच) सामान्य से बेहतर है और उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। गंगाजल के सैंपल का पीएच स्तर भी 8.4 से लेकर 8.6 तक पाया गया। जो काफी बेहतर माना गया है।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 3 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक रिपोर्ट देकर बताया कि प्रयागराज संगम का पानी नहाने के लिए उपयुक्त नहीं है। इसके बाद यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 18 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक नई रिपोर्ट देकर सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट को झुठला दिया है। इस रिपोर्ट में बताया है कि नाले का पानी प्रयागराज की गंगा-यमुना नदी में सीधे तौर पर नहीं गिर रहा। कुल छह पॉइंट पर पानी नहाने लायक है। सिर्फ शास्त्री ब्रिज के नीचे पानी की गुणवत्ता थोड़ी बहुत सही नहीं है और इसके जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जा रही है।

हालांकि एनजीटी ने इस नई रिपोर्ट पर असंतोष जताया है। कहा कि अगर सेंट्रल की रिपोर्ट गलत है तो यूपी वाले एक्शन लें। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से गंगा-यमुना के पानी की गुणवत्ता पर एक हफ्ते में नई विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस पर अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी।

दरअसल ये पूरा मामला उन 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है। जो महाकुंभ में संगम स्नान करने प्रयागराज आए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के श्रद्धालुओं पर संभावित असर को देखते हुए ही यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने नई रिपोर्ट बनाकर इसका जवाब दिया है।

गंगाजल की शुद्धता को लेकर राज्य और केंद्रीय पॉल्यूशन बोर्ड में जो खींचतान मची हुयी है उसका असर कुम्भ स्नान के लिये आने वाले लोगों पर नहीं देखा जा रहा है। आनेवालों की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। लोगों की आस्था में कहीं कोई कमी नही देखी जा रही है। प्रयागराज के महाकुम्भ में करोड़ो लोगो ने स्नान किया है मगर किसी कोई दिक्कत होने की खबर नहीं मिली है। ऐसे में गंगाजल की शुद्धता को लेकर विवाद करने से अच्छा है जनभावनाओं का सम्मान करें।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

संपादकीय

सेंसर कितना होगा

डिजिटल मंचों पर अश्लीलता और हिंसा दिखाने की शिकायतों के बीच हानिकारक सामग्री को विनियमित करने के लिए नये कानूनी ढ़ांचे की जरूरत और मौजूदा वैधानिक प्रावधानों की सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय समीक्षा कर रहा है। समय रैना के शो इंड़िया'ज गॉट टेलेंट पर रणवीर इलाहाबादिया की आपत्तिजनक अश्लील टिप्पणियों के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए सरकार से इस बाबत कड़े.कदम उठाने को कहा है। पारंपरिक प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री विशिष्ट कानूनों के तहत आती हैं, जबकि ओटीटी, यू-टज्ूब समेत इंटरनेट द्वारा संचालित नई मीड़िया सेवाओं के लिए विशेष प्रावधान जरूरी हैं। इन प्लेटफॉर्म्स को आईटी नियम, 2021 के तहत आचार संहिता का सख्ती से पालन करना जरूर होने के बावजूद अनुचित सामग्री परोसी जा रही है। मंत्रालय के अनुसार ओटीटी इसका पालन नहीं करता तो सूचना प्रोद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 67, 67ए व 67बी के तहत कार्रवाई की जा सकती है। इन धाराओं के तहत अश्लील सामग्री का प्रसारण/प्रकाशन दंड़नीय है। बीते साल 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, 19 वेबसाइट्स, दस एप्स और 57 सोशल मीड़िया अकाउंट्स ब्लॉक किए जाने के बावजूद यह प्रवृत्ति नहीं रोक पाना द्योतक है कि अश्लील सामग्री और अभद्र भाषा प्रयोग करने वालों पर लगाम कसना कठिन है। सरकार ने ओटीटी सामग्री को उम्र के आधार पर निर्धारित करने को कहा है। हालांकि वे इसे तफसीलन पहले ही अंकित करते हैं। सवाल सिर्फ यू-टज्ूबर या इंफ्लुएसर द्वारा सोशल मीड़िया में अश्लील सामग्री के माध्यम से अधिक से अधिक व्यूज पाने का नहीं है। इस मामले में आम आदमी भी पीछे नहीं है। तय है कि अभिव्यक्ति की आजादी की आड़.में मसखरी या नाजायज बातें करने का इख्तियार किसी को नहीं दिया जा सकता परंतु इस पर भी गहन विमर्श जरूरी है क्योंकि भारत में अश्लील सामग्री खास तौर पर पोर्नोग्राफी देखने वालों की संख्या दुनिया भर में सबसे ज्यादा है। बेशक, इंटरनेट तक आधे देशवासियों की सीधी पहुंच पर हम इतरा सकते हैं पर यह न भूलें कि दरअसल, बहुसंख्य नागरिक इस सुविधा का इस्तेमाल अपनी कुंठित मानसिकता और कामुक उन्माद के लिए कर रहे हैं। सरकार या कानून एक हद तक ही अश्लीलता रोक सकते हैं। अश्लीलता या फूहड़ता के माध्यम से चर्चा पाने वालों को रोकने का बेहतरीन तरीका है, उनकी उपेक्षा करना। जो इंटरनेट प्रयोगकताओं को स्वयं सीखना होगा।

चिंतन-मनन

निरोगी काया भी हो ध्येय

सच्चे अर्थों में जीवन उतने ही समय का माना जाता है, जितना स्वस्थतापूर्वक जिया जा सके। कुछ अपवादों को छोड़कर अस्वस्थता अपना निज का उपार्जन है। सृष्टि के सभी प्राणी प्रायः जीवन भर निरोग रहते हैं। मनुष्य की उच्छृंखल आदत ही उसे बीमार बनाती है। जीभ का चटोरापन अतिशय मात्रा में अखाद्य खाने के लिए बाधित करता रहता है। जितना भार उठ नहीं सकता, उतना लादने पर किसी का भी कचूमर निकल सकता है। बिना पचा सड़ता है और सड़न के रक्त प्रवाह में मिल जाने से जहां भी अवसर मिलता है, रोग का लक्षण उभर पड़ता है। अस्वच्छता, पूरी नींद न लेना, कड़े परिश्रम से जी चुराना, नशेबाजी जैसी आदत स्वास्थ्य को जर्जर बनाने का कारण बनते हैं। खुली हवा और रोशनी से बचना, घुटन भरे वातावरण में रहना भी बीमारी का बड़ा कारण है। भय या आक्रोश जैसे उतार-चढ़ाव भी मनोविकार बढ़ाते और व्यक्ति को सनकी, कमजोर व बीमार बनाते हैं।

शरीर को निरोगी बनाकर रखना कठिन नहीं है। आहार, श्रम एवं विश्राम का संतुलन बिठाकर हर व्यक्ति आरोग्य एवं दीर्घजीवन पा सकता है। दूसरे नियम भी ऐसे नहीं, जिनकी जानकारी आमजन को न हो सके। उन्हें थोड़े से प्रयास से जाना जा सकता है। आलस्य रहित, श्रमयुक्त व्यवस्थित दिनचर्या का निर्धारण करना सरल है। स्वाद को नहीं-स्वास्थ्य को लक्ष्य करके उपयुक्त भोजन की व्यवस्था हर स्थिति में बनानी संभव है। सुपाच्य आहार समुचित मात्रा में लेना जरा भी कठिन नहीं है।

शरीर को उचित विश्राम देकर हर बार तरोताजा बना लेने के लिए कहीं से कुछ लेने नहीं जाना पड़ता। यह सब असंयम एवं असंतुलन वृत्ति के कारण नहीं सध पाता और हम सुर दुर्लभ देह पाकर भी नर्क जैसी यातनाग्रस्त स्थिति में पड़े रहते हैं। शारीरिक आरोग्य के मुख्य आधार संयम एवं नियमितता ही है, इनकी उपेक्षा करके मात्र औषधियों के सहारे आरोग्य लाभ का प्रयास मृग मरीचिका के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। आवश्यकता पड़ने पर औषधियों का सहारा लाठी की भांति लिया तो जा सकता है, किन्तु चलना तो पैरों से ही पड़ता है। शारीरिक आरोग्य एवं सशक्तता जिस जीवनीशक्ति के ऊपर आधारित है उसे बनाये रखना इन्हीं माध्यमों से संभव है।

अपने ही घर में असुरक्षित होती बच्चियां

मुकेश तिवारी

आजकल मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं तेजी से बढ़ रही है। ऐसे कई मामले हाल ही में प्रकाश में आए हैं जिनमें पिता या करीब के रिश्तेदार ने ही ऐसा घृणित काम किया है दिलों दिमाग को झकझोरा कर रख देने वाली इन घटनाओं ने पवित्र रिश्तो। जिन पर समाज टिका है पर सवालिया निशान लगा दिया है घर अब तक बच्चों के लिए सबसे महफूज जगह थी। वहां भी अब वे असुरक्षित हो गए है।

भारत भर में इन दिनों छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाओं में काफी वृद्धि हुई है चौंकाने वाली बात यह है कि मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वाला कोई अपना करीबी रिश्तेदार से लेकर स्कूल शिक्षक भी हो सकता है। वर्तमान में ऐसी बहुत-सी घटनाएं प्रकाश में आई है। जिसमें पिता ने ही बेटी के साथ। भाई ने बहन के साथ। चाचा ने भतीजी और यहां तक की दादा ने पोती के साथ स्कूली शिक्षक ने मासूम छात्रा के साथ दुष्कर्म जैसा घिनौना कृत्य किया। उधर भोपाल के हमीदिया में 11साल की बच्ची की मौत के बाद बड़ा सवाल -मासूम बच्चियों से बार बार दरिंदगी करने वाले कैसे कोर्ट से छूटते रहे?

50 वर्षी फारुख ने दिल्ली के झोपड़ पट्टी क्षेत्र में अपनी 15 वर्षीय बेटी के साथ पत्नी की गैरमौजूदगी में बलात्कार किया। शासकीय कार्यालय में कार्यरत पवन ने अपनी 14 वर्षीय बेटी को डरा धमकाकर उसके साथ यौनाचार किया।बी एस एफ में कार्यरत भोले पाल ने अपने घर में काम करने वाली नौकरानी की बेटी से कई दिनों तक अपनी हवस शांत की।दिल्ली के हर तरह से साधन संपन्न परिवार से ताल्लुक रखने वाले 24 वर्षीय विनोद ने अपनी 10 वर्षीय सौतेली बहन के साथ तकरीबन तीन दिनों तक यौन दुराचार किया। सुशील कुमार ने त्रिलोकपुरी में शशि गार्डन में अपने पड़ोस की 8 बषीय बच्ची से बलात्कार किया। रिश्ते में सुशील मासूम बच्ची का चाचा था। गांव की 10 वर्षीय भोली भाली बच्ची के साथ धर्मवीर ने बलात्कार किया। मुरादाबाद रेलवे कालोनी के अनिल कुमार ने 13 वर्ष की लड़की के साथ शौचालय में बलात्कार किया। यह घटनाएं दिल और दिमाग को झांकझोर कर रख देती हैं साथी उन पवित्र रिश्तों में घृणा भी पैदा करती हैं जिस पर समस्त भारतीय समाज टिका हुआ है। वर्तमान समय में पुरुष की शारीरिक हवस इतनी बढ़ गई है कि उसने 60 साल की बूढी औरत से लेकर 4 महीने की मासूम बच्ची को भी नहीं छोड़ा है। शाजापुर जिले में रमेश सिंह ने साल 2003में 5साल की बच्ची से दरिंदगी की कोर्ट से उसे 10साल की सजा मिली।बर्ष 2014मे वह सजा काटकर बाहर आया तो उसने आष्टा में 8साल की मासूम के साथ दुष्कर्म किया लोअर कोर्ट ने उसे फांसी की सजा सुनाई। तो आरोपी ने हाईकोर्ट में सजा रिवीजन की अपील की गई। तो बर्ष 2019मे कोर्ट ने उसे बरी कर दिया। कोर्ट से छूटते ही गत 25फरवरी 2025को उसने नरसिंहगढ (राजगढ़) में 11साल की मूक बधिर बच्ची को सोते समय अगवाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसने दुष्कर्म के दौरान बच्ची को ऐसे जख्म दिए कि उसने भोपाल के हमीदिया अस्पताल में 8फरवरी 2025 को दम तोड दिया। दुष्कर्म के आरोपी रमेश सिंह की 27व 16साल की दो बेटियां और एक बेटा है वह अपनी दोनों बेटियों पर भी बुरी नजर रखता है। ऐसा ही एक मामला मध्य प्रदेश के ही विदिशा में भी सामने आ चुका है। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक मैरिज गार्डन में शादी समारोह के दौरान गोलू उर्फ.कोमल अहिरवार 28 में 3 साल की बच्ची को अगवा किया और उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की। जांच में पता चला कि 2015 में भी वह इसी मैरिज गार्डन में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म कर चुका है।लोअर कोर्ट ने उसके अपराध को देखते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी हालांकि कोर्ट ने उसे बरी कर दिया।

पिता, भाई, चाचा और दादा अपने ही खून से आंखें चुराकर उनके शरीर का शोषण करते हैं।एक अजीब सा वीभत्स भाव तब आता है जब कोई पिता अपनी बेटी को हवस का शिकार यह कहकर बनता है कि जब पेड़ मैंने लगाया है तो फल कोई और क्यों खाए।मैं ही क्यों न खाऊं ,पिता, दादा, और भाई बलात्कारी जरा सोचिए ऐसी त्रासदी की कल्पना करना भी कठिन है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए।

हमेशा से समाज में लड़कियों के साथ दोयम दर्जे का सलूक तो चलता ही था। लेकिन समाज की कुछ मयार्दाएं हुआ करती थी। पुरुष अपने ऊपर संयम रखते थे। धीरे धीरे औरतों के साथ होने वाला गलत व्यवहार शिशु हत्या और दहेज हत्या की तरफ बढ़ा लेकिन पराकाष्ठा तब हुई जब कोई अपनी बहन, बेटी ,भतीजी और पोती के साथ दुष्कर्म करने लगा। परिवारों में पनपने वाली इस नई संस्कृति को अनैतिकता अश्लीलता या संवेदनहीनता कुछ भी कहे लेकिन अब समस्या यह है की छोटी बच्चियां या औरतें अपने परिवार में ही असुरक्षित हो तो कहां जाए ?किस पर भरोसा करें? किससे संरक्षण मांगे? क्या इन सवालों के उठने के बाबजूद भारतीय समाज स्वयं को श्रेष्ठ और पश्चिम को कुत्सित मान सकता है।

आखिर ऐसे कौन से ऐसे कारण हैं जिनके वशीभूत होकर पुरुष अपना संयम खो बैठते हैं? निचले तबके के लोगों ने बताया कि नशे के कारण पुरुष अपना संयम खो बेठते है। जगह की कमी के कारण सात आठ लोग एक ही झुग्गी में सोते हैं और रात को

अश्लील फिल्म देखकर वहन , बेटी को ही अपनी हवस का शिकार बना डालते हैं। शराब के नशे में शारीरिक भूख इतनी तीव्र होती है कि अपने पराए का भेदभाव भुला देती है। खासतौर से अशिक्षित लोगों के लिए क्या अच्छा है क्या बुरा? कुछ समझ ही नहीं आता। हैरानी की बात है कि शराब के नशे में बाप को बेटी नहीं हवस मिटाने का सामान नजर आता है।

यहां तो रही निम्न वर्ग की बात, उच्च या मध्यम वर्ग में भी ऐसा ही है। उनकी बेटियां भी अपने घरों में असुरक्षित है। आज समस्त भारतीय समाज की आसकित पश्चिमी देशों की तरफ बढ़ रही है। रहन-सहन आचार विचार माहौल और यहां तक की रिश्तो में मतभेद न रखने की प्रवृत्ति भी वही की देन है। आधुनिक जीवन पश्चिम की भांति विवाह और परिवार की लंबे समय तक एक जुटता में विश्वास नहीं रख रहा।वैवाहिक जीवन तेजी से असंतोषपूर्ण होता जा रहा है। घुटन तनाव और टक्कर संबंध विच्छेद और तलाक का दौर पश्चिम की तर्ज पर चल पड़ा है। ऐसे माहौल में पुरुष उच्छंलन हो उठते हैं और फिर उनकी शिकार पत्नी से लेकर बहन बेटी। से लेकर छात्रा तक कोई भी हो सकती है।

(लेखक के विषय में -मध्यप्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं)

आधी आबादी : आगे बढ़ाने की कोशिशें धुंधली

संजीव ठाकुर

भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया है। स्वतंत्र काल से शुरू हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है। आज भी महिलाएं सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक-सांस्कृतिक, सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही हैं। आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है, बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत की विकास की दर बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद में है।

विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। अनेक सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ी होती दिखाई दे रही हैं। यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है। प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदूषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया। महिलाओं को घर की चारदीवारी में बंद होना पड़ा था। इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता, ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं। भारत एवं विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं, जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है। उनके नामों की सूची लंबी है। उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही हैं। इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक प्रबंधन करती आ रही हैं।

अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही हैं। जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं। महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन, मेडिकल, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी, एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही हैं, और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं। सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उनका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं हैं, चाहे शनि सिंगनापुर, हाजी अली दरगाह या तीन तलाक का मामला हो, इनकी सजगता सामाजिक परिवर्तन लाई है। सरकार भी इनकी भूमिका को स्वीकार करते हुए थल, जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका में इनकी नियुक्ति कर रही है। राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तर पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए हैं किंतु हमें हमेशा स्मरण रखना चाहिए कि देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी और सम्मान नहीं मिल पा रहा है, जिसके लिए वे हकदार हैं।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी 25प्र. से भी कम रह गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक-मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरु षों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है। इसके अलावा, दुनिया की सबसे कम वेतन वाली नौकरियों में 60प्र. महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया गया है। इन परिस्थितियों में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम, 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी किए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड़ अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है कि किस प्रकार महिलाओं की श्रम बल में अधिक

भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करती है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है कि महिलाएं कोमल हैं पर कमजोर नहीं हैं। शक्ति का नाम ही नारी है। भारत के विकास में सही मायने में 50प्र. भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं देश को विश्व के विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं। जरूरत इनकी शक्ति, क्षमता और योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में भारत के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक विकास में महिलाओं के सवांगीण विकास को आधार बना कर आर्थिक महाशक्ति बनने का स्वप्न साकार हो सकता है।

आज का मुद्दा समाचार पत्र का प्रत्येक अंक मां गंगा और सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर सेक्टर 62 नोएडा के चरणों में समर्पित : स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक मनोज वत्स द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया मुख्य संपादक के.जी.शर्मा **RNI.NO.UPHIN/2011/37197,** 9310549614
किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

इन्द्रप्रस्थ एंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट में डी.एल.एड. सत्र (2024-26) अभिविन्यास (ओरियन्टेशन) कार्यक्रम का शुभारंभ

आज का मुद्दा

हापुड। इन्द्रप्रस्थ एंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, जरोठी, गढ़ रोड़, हापुड़ में डी.एल.एड. सत्र (2024-26) अभिविन्यास (ओरियन्टेशन) कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन से किया गया। इस अवसर संस्थान के निदेशक डॉ. सतीराम सिंह ने कहा कि शिक्षा जीवन की बुनियादी इकाई है और शिक्षक इस को परिपुष्ट करता है। कक्षायी अध्ययन-अद्यापन का विकल्प नही है जिसे नियमित रूप से उपस्थित रहकर पूरा किया जाता है। शिक्षा शिक्षक व पाठ्यक्रम सतत रूप से चलने वाले आयाम है। एक अच्छा शिक्षक एक अच्छा विद्यार्थी भी होता है जो राष्ट्र, समाज तथा व्यक्तित्व का विकास करता है। प्रबंधन पदाधिकारी डॉ. विकास अग्रवाल सन्देश के माध्यम से कहा कि शिक्षा जीवन का मूल आधार है और एक अच्छा शिक्षक इस आधार को पूरा करता है। प्रबंधन पदाधिकारी डॉ. विपिन गुप्ता ने डी.एल.एड. पाठ्यक्रम में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओ को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रबंधन पदाधिकारी दीपक बाबू ने कहा जीवन में सफल होने के लिए

दृढ़ इच्छा शक्ति व संकल्प का होना आवश्यक है जिसे अनुशासन के साथ पूरा किया जाता है। शिक्षा संकाय का. प्राचार्या भारती गुप्ता ने कहा कि डी.एल.एड. में प्रवेशित छात्रों ने क्षेत्र के अच्छे एक कॉलेज चुना है। अतः भविष्य में इस इंस्टीट्यूट का नाम अवश्य रोशन करेंगे। विभागाध्यक्ष लोकेश कुमार ने कहा कि यह कोर्स एक शिक्षण प्रशिक्षण का कोर्स है जिसे कक्षा में नियमित आकर अनुशासनात्मक रूप से पूरा किया जाता है। इस पाठ्यक्रम को करने वाले प्रशिक्षणार्थी एक अच्छे शिक्षक बनकर एक अच्छे राष्ट्र व समाज का विकास करते है। बी.एड. विभागाध्यक्ष मंजू सिंह ने कहा प्रशिक्षण के माध्यम से एक अच्छा व सफल अध्यापक बना जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. तनुज कुमार, पिंकी सिंह, रश्मि, डॉ. विनिता शर्मा, शारिक अली, दिव्या आदि प्राध्यापको ने भी अपना परिचय देते हुए विचार व्यक्त किए। अंत में सभी छात्र-छात्राओं का परिचय कराते हुए वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

गाजियाबाद में चौकी इंचार्ज की दबंगई, इखढ पार्षद के ड्राइवर को पीटा

(अंकुरित ओझा) गाजियाबाद। पटेल नगर से भाजपा पार्षद शीतल चौधरी ने पटेल नगर चौकी प्रभारी पर अपने चालक से मारपीट का आरोप लगाया है। पार्षद का कहना है कि दारोगा ने रविवार रात करीब 10 बजे उनके चालक अभिषेक शर्मा के साथ दुकान पर मारपीट की है।घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें दारोगा बाइक पर एक सिपाही के साथ आए और युवक के किसी बात पर थप्पड़ लगा दिए। पार्षद का आरोप है कि दारोगा ने उनके बारे में टिप्पणी की थी। इसके विरोध में आज कई भाजपाई पार्षद सिहानी गेट थाने में दारोगा के खिलाफ शिकायत देंगे।

लखनऊ के 127 केंद्रों पर परीक्षाएं शुरू, सेंटर पर पहुंची माध्यमिक शिक्षा मंत्री

(के0जी0 शर्मा) लखनऊ। शहर के 127 केंद्रों पर दो पालियो में यूपी बोर्ड परीक्षाएं सोमवार से शुरू हो गईं। कई केंद्रों मे परीक्षा देने आए बच्चों पर फूलों की बारिश हुई। साथ ही उनका मुंह मीठा कराया गया। इसके पहले रविवार को परीक्षा से जुड़ी सभी तैयारियों को परखा गया। केंद्रों पर परीक्षार्थियों का सीटिंग प्लान करते हुए रोल नंबर चस्पा कर दिए गए हैं। उसी के अनुसार परीक्षार्थी अपनी सीट पर बैठेंगे। पहले दिन परीक्षार्थियों को केंद्र पर 30 मिनट पहले पहुंचना होगा। यदि किसी कारणवश निर्धारित समय पर परीक्षार्थी नहीं पहुंच पाता है तो उसे 30 मिनट की छूट रहेगी। हालांकि देर न हो तो ही अच्छा है। कक्षनिरीक्षकों को डेढ़ घंटे पहले केंद्र पर पहुंचना होगा।

कृषि प्रसार विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण प्रोग्राम पूसा संस्थान के लिए किया गया आयोजित

आज का मुद्दा इमरान सैफी बुलंदशहर के लखावटी में स्थित अमर सिंह कॉलेज के कृषि प्रसार विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण प्रोग्राम पूसा संस्थान के लिए आयोजित किया गया इस अवसर पर छात्रो ने 01. आई.सी. ए. आर., आई. ए. आर. आई. पूसा कृषि विज्ञान मेला, 02. आई.सी. ए. आर. हेडक्वार्टर नाक्स कॉम्पलैक्स, 03. कृषि उद्यान प्रेसिडेंट हाऊस, 04. इंडिया गेट आदि स्थानों का भ्रमण किया यहा पहुँचकर छात्रों ने यहाँ की नई तकनीकियों एवं उपज रिसर्च आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं उन्हें अपने क्षेत्र में विकसित करने का भी संकल्प लिया

राजकीय महाविद्यालय बीबीनगर में दो दिवसीय तेरहवां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का हुआ शुभारंभ

बुलन्दशहर (कपिल देव इन्सां) राजकीय महाविद्यालय बी०बी० नगर में दो दिवसीय तेरहवाँ वार्षिक क्रीड़ा समारोह का उद्घाटन गत वर्ष के छात्र-छात्रा चैंपियन आकाश गौतम और प्राची सिरोही व प्रयांसी को मशाल देकर एवं मार्च पास्ट की सलामी लेकर महाविद्यालय प्राचार्या प्रो० जीनत जैदी व क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ० राजेश कुमार ने माँ शारदे के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। तदोपरांत बैज अलंकरण के चरण को पूर्ण कर महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की तत्पश्चात क्रीड़ा परिषद के स्वयंसेवकों ने प्राचार्या, क्रीड़ा परिषद के सचिव और सदस्यों का माल्यार्पण किया।

महाविद्यालय प्राचार्य ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा की युवाओं को खेल की भावना से खेल खेलते हुए इसे अपने जीवनचर्या का अनिवार्य अंग बनाना चाहिए। अपने वक्तव्य में स्पष्ट किया कि खेल के द्वारा एक स्वस्थ शरीर का निर्माण होता है जिसमें एक स्वस्थ मस्तिष्क निवास

करता है और स्वस्थ मस्तिष्क के द्वारा ही नए विचार उत्पन्न किए जा सकते हैं जो समाज को सही दिशा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होंगे।

क्रीड़ा प्रभारी डॉ० राजेश कुमार ने खेल के नियम, मयार्दा व अनुशासन की शपथ दिलाई और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि भारत आज परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है भारतीय खिलाड़ियों ने विश्व पटल पर भारत का परचम लहराया है। इन दो दिवसीय खेलों के माध्यम से हम किसी ऐसी अनगढ़त प्रतिभा को तराश सके उसे एक मंच दे सके उसके सपनों को खुले आसमान में उड़ने के लिए पंख दे सके तो यह इन खेलों की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

आज महाविद्यालय में बालक बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, ऊँची कूद, लंबी कूद, डिस्कस थ्रो, भाला फेंक, गोला फेंक स्पधाओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की छात्रा रिया मोहन और बन्दना मोहन ने किया। बालिका वर्ग की सभी स्पधाएं डॉ ललिता, श्रीमती भारती श्रीमती. पूजा राय, श्रीमती. नाजमीन डॉ० अंजली गर्ग ने संपन्न कराई। बालक वर्ग की सभी स्पधाएं डॉ० राजेश कुमार,डॉ० जीत सिंह, डॉ०. हरेन्द्र सिंह, डॉ० अरविंद कुमार, , डॉ० सुनील कुमार, डॉ० शरद कुमार भटनागर श्री आयुष , श्री मुकेश सैनी, कुंवर शर्मा, प्रमोद, , हरेन्द्र ने एवं क्रीडा परिषद के सभी स्वयंसेवक अंकुश राणा कपिल कुमार, विपिन कुमार, सुमित कुमार, अंकित कुमार ,रिंकू , हिमांशु, , निशांत , गर्व ,पुष्पेंद्र , सचिन, अंशु, शिवानी ,मीनू ,शिफा, चाँदनी ,हिमांशी, दिव्यांशी , रिया, वंदना, निशा, कनिका, मोनिका का सराहनीय योगदान रहा।

डीएम की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण बन्धु की हुई बैठक

आज का मुद्दा (आशीष कुमार)

बुलंदशहर : सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम श्रीमती श्रुति की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। पिछली बैठक में पूर्व सैनिक बन्धु एवं उनके परिजनों द्वारा 11 शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए जाने पर उनके निस्तारण की स्थिति के बारे में जानकारी ली गई। कतिपय शिकायतों में अभी निस्तारण नहीं होने पर निर्देशित किया गया कि शिकायतों का मौके पर जाकर अगली बैठक से पहले निस्तारण करना सुनिश्चित करें। आज की बैठक में भी लगभग 05 पूर्व सैनिकों द्वारा समस्याओं/शिकायतों के बारे में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए। डीएम ने शिकायतों को सुनते हुए संबंधित विभागों को शिकायतीपत्र भेजते हुए निर्देश दिए कि मौके पर जाकर निस्तारण किया जाए एवं इसके संबंध में अगली बैठक में रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाए।बैठक में सीडीओ कुलदीप मीना, अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अभिषेक कुमार सिंह, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी अनिल कुमार शर्मा सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस की ऑपरेशन मुस्कान के तहत बड़ी कार्रवाई दो माह से गुमशुदा बालक को सुकुशल किया गया बरामद

आज का मुद्दा इमरान सैफी-बुलंदशहर अनूपशहर में पुलिस की ऑपरेशन मुस्कान के तहत बड़ी कार्रवाई दो माह से गुमशुदा बालक को सुकुशल किया गया बरामद दिनांक 17 :12 :2024 वादी गिर्राज शर्मा पुत्र प्रकाश चंद्र शर्मा निवासी ग्राम ऐचौरा थाना अनुच्छेद जनपद बुलंदशहर द्वारा थाना पर लिखित तहरीर देकर बाबत अपने पुत्र मोहित कुमार उम्र करीब 15 वर्ष के घर से नाराज होकर चले जाना तथा नहीं मिलने के संबंध में थाना हाजा पर मुकदमा संख्या 494/24 धारा 137(2) बनाम अज्ञात पंजीकरण कराया गया था जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वह पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी अनूपशहर के निकट पर्यवेक्षक में प्रभारी निरीक्षक अनुच्छेद दिसंबर दयाल गंगवार एवं अनुसार पुलिस द्वारा अतीत प्रयास करते हुए दिनांक 23 24 :2:2025 की रात्रि में हापुड़ रोडवेज बस स्टैंड के पास से सकुशल बरामद किया गया गुमशुदा बालक की बरामदगी की के संबंध गुमशुदा के परिजनों को द्वारा दूरभाषा सूचना दी गई बाद अग्रिम विधिक कार्यवाही एवं चिकित्सीय परीक्षण के गुमशुदा बालक मोहित कुमार को उसके परिजनों के सुपुर्द किया जा रहा है। बरामद करने वाली पुलिस टीम रितेश कुमार सिंह रूपवास चौकी इंचार्ज हर्ष मिश्रा आदि शामिल रहे।

कांवड़ मार्गो पर अतिक्रमण न करें अन्यथा होगी सख्त कार्रवाई: ईओ नीतू सिंह

आज का मुद्दा (पुष्पेंद्र कुमार) बुलंदशहर शिकारपुर तहसील क्षेत्र के गांव बरासऊ में प्राचीन शिव मंदिर पर 26 फरवरी को भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। जिसकी तैयारी को लेकर तहसील प्रशासन जुटा हुआ है। नगर पालिका परिषद शिकारपुर अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह ने बताया है कि शिकारपुर के अनुपम फार्म हाउस से लेकर शिकारपुर चैनपुरा तिराहे तक व जहांगीराबाद चुंगी एवं परशुराम चौक से भारी वाहन बाजार में अंदर आने पर रोक लगाई गई है। साथ ही कहा है कि दुकानदार बंधु फुटपाथ पर रेहडी आदि समान दुकानों के बाहर न लगाएं। यदि किसी व्यक्ति द्वारा दुकानों से बाहर एवं फुटपाथ पर अवैध अतिक्रमण मिला तो सामान जप्त कर संबंधित कार्रवाई की जाएगी । क्योंकि यदि किसी कावड़ लाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी हुई तो उसकी जिम्मेदारी अवैध अतिक्रमण करने वाले की होगी और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई कराई जाएगी। मंदिर जाने वाले रास्तों पर अतिक्रमण न करें नगर वासी सभी से अपील की जा रही है कि नगरपालिका प्रशासन का व्यवस्थाओं में सहयोग करें।

2027 मै पीडीए के बल पर समाजवादी पार्टी जीतेगी चुनाव

आज का मुद्दा बुलंदशहर : बुलंदशहर शिकारपुर सोमवार को समाजवादी पार्टी पी.डी.ए की पंचायत मोहल्ला काजीवाडा मै अरशद अन्सारी के आवास पर हुई की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष आस मोहम्मद गाजी ने की बैठक में विधानसभा प्रभारी मनीष शर्मा व पी.डी.ए प्रभारी प्रेमवीर यादव प्रभारी उपस्थित हुए विधानसभा प्रभारी बनी शर्मा ने कार्यकताओं से कहा कि 2027 में पी.डी.ए के बल पर समाजवादी पार्टी चुनाव जीतेगी और इस प्रदेश के मुख्यमंत्री पी.डी.ए के नायक अखिलेश यादव बनेंगे और कार्यकर्ता अभी से 2027 चुनाव की तैयारी मैं जुट जाये इस मौके पर नगर उपाध्यक्ष मोहम्मद नाजिम, नगर उपाध्यक्ष अरशद अंसारी , मदन वाल्मीकि ,मोहम्मद सलमान , आस मोहम्मद कुरैशी ,मजहिर अंसारी ,कमलवाल्मीकि ,अजीम, रिजवान, डॉक्टर परवेज आलम, शाहिद आदि लोग मौजूद रहे।

दिल्ली विधानसभा का सत्र शुरू, सीएम रेखा गुप्ता ने ली शपथ

(के0जी0 शर्मा) नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली ने शपथ ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उन्हें शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण के बाद लवली दिल्ली विधानसभा पहुंचे। जहां वे स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के चुनाव की प्रक्रिया पूरी कराएंगे। चुनाव संपन्न होने के बाद नवनिर्वाचित स्पीकर और डिप्टी स्पीकर को भी शपथ दिलाई जाएगी। फिलहाल विधानसभा के सभी नवनिर्वाचित विधायक शपथ ले रहे हैं ।

1- बहुत से विधायक पारंपरिक वेशभूषा में भी आए। अलग-अलग तरह की पगड़ी पहने हुए हैं। इसके अलावा धोती कुर्ता / पारंपरिक पटका धारण किए हुए हैं। अनिल झा ने मैथिली भाषा में में शपथ ली।

2-एक-एक कर शपथ लेने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शपथ लेने के क्रम में पहले मंत्री शपथ ले रहे हैं। सिरसा ने पंजाबी में शपथ ली। वहीं पर कपिल मिश्रा ने संस्कृत में शपथ ली।

3-दिल्ली विधानसभा सदन में शपथ ग्रहण का शुभारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शपथ ली। इनके बाद अब मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य शपथ ले रहे हैं। इनके बाद बारी-बारी से सभी अन्य विधायक 70 विधायक शपथ लेंगे। प्रोटेम स्पीकर अरविंद सिंह लवली ने कहा कि विधानसभा द्वारा तैयार किए गए लिखित प्रारूप के अनुसार ही सभी सदस्य शपथ लें। उन्होंने कहा कि जो सदस्य अभी शपथ लेने के लिए उपलब्ध नहीं है वह कल 11रू00 बजे शपथ ले सकते हैं।

4-दिल्ली विधानसभा के पहले दिन दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यह हमारी एक शुरूआत है। मैं उन्हें (आप नेता और नेता प्रतिद्वंद्वी आतिशी) बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे पहले के विपरीत सकारात्मक सकारात्मकता के साथ काम करेंगे।

5-दिल्ली की 8वीं विधान सभा के पहले सत्र के लिए दिल्ली विधानसभा पहुंचते ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विजय चिन्ह दिखाया।

दिल्ली विधानसभा में एलओपी आतिशी ने कहा कि दिल्ली की जनता ने हमें विपक्ष की जिम्मेदारी दी है और हम विधानसभा में जनता की आवाज उठाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी ने दिल्ली की जनता से वादा किया था कि पहली कैबिनेट बैठक में हर महिला को 2500 रुपये प्रति माह देने की योजना पास की जाएगी, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ। पहली किस्त 8 मार्च तक देने का वादा किया गया था। हम इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे... मैंने बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण से पहले ही इसका अनुमान लगा लिया था। भाजपा सरकार अपने वादे पूरे न करने के लिए कोई न कोई बहाना जरूर बनाएगी। जब अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने, तब दिल्ली का बजट 30,000 करोड़ रुपये था, लेकिन तब भी अरविंद केजरीवाल ने मुनाफे वाली सरकार चलाई, मुफ्त बिजली दी, मुफ्त पानी दिया, अच्छे स्कूल दिए, अच्छे अस्पताल दिए, मुफ्त बस यात्रा की, मुफ्त तीर्थ यात्रा की... वे कह रहे हैं कि खजाना खाली है, पैसे की कमी नहीं है, इरादों की कमी है।

दिल्ली विधानसभा सत्र पर दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि भाजपा 27 साल बाद सत्ता में आई है। हमारी पहली प्राथमिकता दिल्ली के लोगों को साफ पानी, बेहतर सीवेज, बेहतर सड़कें, साफ हवा मुहैया कराना होगी। पिछले 10 सालों से पानी का मुद्दा दिल्ली के लोगों के लिए एक बुरे सपने जैसा था।

बीजेपी विधायक रविंदर सिंह नेगी ने कहा कि मैं अपने क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने पीएम मोदी के नेतृत्व में दिल्ली में विधानसभा चुनाव जीता। हमें दिल्ली में बहुत काम करना है। मुख्य मुद्दे पानी और सीवेज हैं। हम यमुना को साफ करेंगे और दिल्ली के लोगों से किए गए वादे पूरे करेंगे।

किसान यूनियन स्वराज की कार्यकताओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

आज का मुद्दा - बुलंदशहर में किसान यूनियन स्वराज के कार्यकताओं ने एसएसपी कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया। किसान यूनियन स्वराज के कार्यकताओं ने कहा की मृतिका काजल के हत्यारों को फाँसी की सजा हो। वही किसान यूनियन स्वराज के जिला अध्यक्ष ने फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की भी मांग करते हुए अपने सैकड़ों कार्यकताओं के साथ प्रदर्शन किया दरअसल मामला कोतवाली देहात के हात्माबाद गांव में बीते 5 फरवरी को काजल की सन्दिग्ध परस्थितियों में फांसी के फंदे पर शव मिला था। वही परिजनों ने ससुरालीजनों पर दहेज की मांग पूरी नही होने पर हत्या का आरोप लगाया था। वही पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। और ससुर सास और देवर मौके से फरार हो गए थे। वही आज भारतीय किसान यूनियन स्वराज ने एसएसपी कार्यालय पर पहुँचकर धरना प्रदर्शन करते हुए फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग और फाँसी की सजा दिलाने की मांग की है। वही पीड़ित परिवार ने बताया कि मृतिका का काजल का विवाह 4 वर्ष पहले हात्माबाद में हुआ था। तब भी से ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज की मांग करते और उसके साथ मारपीट करते थे। दहेज की मांग पूरी नही होने पर पति ससुर सास और देवर ने काजल की हत्या कर दी और फरार हो गए।वही एसएसपी ने पीड़ित परिवार को आश्वाशन देते हुए फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी होने का आदेश कोतवाली देहात पुलिस को दिया है। वही एसएसपी का कहना है कि फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी और आरोपियों को जल्द सजा दिलाई जाएगी

पत्नी की गोली मारकर पति ने की हत्या, पुत्र की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

आज का मुद्दा

बुलंदशहर : बेटे को हाई स्कूल की परीक्षा दिलाने आई महिला और एक व्यक्ति को पति ने गोली मार दी। चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित किया गया जबकि घायल युवक को हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गया। एसपी सिटी शंकर प्रसाद ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। पूरी घटना खानपुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार औरंगाबाद थाना क्षेत्र के गांव गंगाहरी निवासी नरेश पुत्र जगपाल की पत्नी सावित्री करीब कुछ समय पहले गांव के सरजीत पुत्र बृजपाल के साथ चली गई थी। महिला अपने दोनों बच्चों एक बेटा और एक बेटी को साथ ले गई थी। महिला सोमवार को अपने सरजीत के साथ अपने बेटे आकांशु को हाई स्कूल का पेपर दिलाने खानपुर थाना क्षेत्र के गांव खिदरपुर स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज आई थी। महिला का बेटा पेपर देने स्कूल में चला गया जबकि वह दोनों स्कूल के बाहर ही पेपर छुटने का इंतजार कर रहे थे। बताया गया कि पेपर छूटने से पहले ही आरोपी नरेश ने अपनी पत्नी सावित्री (36) और सरजीत (37) पर फायरिंग कर दी। बताया गया कि एक गोली सावित्री के सिर में लगी और एक गोली सरजीत के बगल में लग गई।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने सावित्री को मृत घोषित कर दिया और सरजीत को मेरठ मेडिकल के लिए रेफर कर दिया। एसपी सिटी शंकर प्रसाद और स्याना सीओ दिलीप सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। मौके का निरीक्षण किया। एसपी सिटी शंकर प्रसाद का कहना है कि महिला के पति द्वारा फायरिंग की गई है मामले में तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है। पुलिस ने मृतका के पुत्र की तहरीर के आधार पर आरोपी पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क. वि., डी. आर. एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं:–

1	कार्य का नाम व स्थान	डीएलआई डिवीजन में ऑटो टेंशन डिवाइसेस (एटीडी) की आवधिक ओवरहालिंग (पीओएच)।
2	अनुमानित लागत	रु. 3,33,83,636.22
3	बयाना राशि	रु. 3,16,900/-
4	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	06.03.2025 (10:30 बजे) से 20.03.2025 (15:00 बजे तक)
5	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	20.03.2025 (15:00 बजे)
6	निविदा छपाई की लागत	070-410-32
7	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

निविदा संख्या: 28A–क.वि.–नई दिल्ली–2024–25 दिनांक: 24.02.2025 607/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह.स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लैवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादबच्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एंन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उन्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट'? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं। प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई कर-करेत्तर एवं वसूली की समीक्षा बैठक

आज का मुद्दा

हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते हुए करझकरेत्तर, राजस्व कार्यों के निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करने के उद्देश्य से संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली करने तथा समस्त उप जिलाधिकारियों को वसूली के संबंध में नियमित रूप से बैठक करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा की सभी एसडीएम अपने अपने तहसील क्षेत्र मे बड़े बकायदारों को आरसी जारी करते हुए राजस्व जमा कराना सुनिश्चित करेंगे उन्होने सख्त निर्देश दिया कि सभी एसडीएम अपने स्तर पर बैठक करके तहसील में लंबित पड़ी आरसी का जल्द से जल्द निस्तारण करते हुए राजस्व में बढ़ोतरी करें तथा साथ ही पिछले तीन सालों का आरसी डाटा भी प्राप्त कराए। वसूली समीक्षा पर लक्ष्य के सापेक्ष कम वसूली होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए लक्ष्य के अनुरूप हो वसूली। समस्त उप जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व वसूली के लिय आरसी को तहसील स्तर पर लम्बित ना रखे साथ ही अगली बैठक से पूर्व वसूली पर बेहतर परिणाम नजर आना चाहिये। जिलाधिकारी ने विभाग से प्राप्त लक्ष्यों को हर हालत मे निर्धारित अवधि मे पूर्ण करने हेतु विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होने सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को कहा की राजस्व वसूली तथा अन्य संदर्भ को सीएम पोर्टल से जोड़ दिया गया है जिससे

जनपद की रैंकिंग निर्धारित होती है अतः राजस्व वसूली में तेजी लाएं। उन्होने राजस्व वाद जैसे धारा 67, धारा 116, धारा 80, धारा 24 आदि के निस्तारण मे तेजी लाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने मुख्य देय, विविध देयों की वसूली, करझ करेत्तर तथा राजस्व कार्यों की विभागवार समीक्षा करते हुए मानक के अनुसार निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति शत-प्रतिशत करना सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। सीएम डैशबोर्ड में जनपद की रैंकिंग में सुधार की आवश्यकता है तथा सीएम डैशबोर्ड पर जो भी शिकायत पेंडिंग है उसका जल्द से जल्द निस्तारण करना सुनिश्चित करें जिससे कि सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में जनपद की स्थिति बेहतर हो सके। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों से जनपद की खराब रैंक को लेकर कड़े निर्देश दिए गए की आगामी बैठक से पूर्व सभी विभागों की रैंक में सुधार होना चाहिए। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वि/रा सन्दीप कुमार, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, खनन अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी तथा अन्य विभागीय अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

अवैध संबंध के शक में दोस्त ने दोस्त को मारा, आरोपी गिरफ्तार

आज का मुद्दा-हापुड़। हापुड़ की सिटी कोतवाली पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर का खुलासा किया है। पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी के अनुसार, मृतक महेंद्र और आरोपी जयप्रकाश अच्छे दोस्त थे। दोनों अक्सर साथ में शराब पीते थे। महेंद्र का जयप्रकाश के घर आना-जाना था। जयप्रकाश को शक था कि महेंद्र की उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध हैं। 12 दिन पहले दोनों शराब पी रहे थे। इसी दौरान जयप्रकाश ने महेंद्र से अपनी पत्नी के बारे में बात की। बात बढ़ने पर दोनों में झगड़ा हो गया। गुस्से में जयप्रकाश ने ईंट से महेंद्र के सिर पर वार कर दिया। इस हमले में महेंद्र की मौत हो गई। हत्या के बाद जयप्रकाश फरार हो गया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में इस्तेमाल की गई ईंट भी बरामद कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया सी0एच0सी0 धौलाना का निरीक्षण

आज का मुद्दा-हापुड़। हिमाशु गौतम मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र धौलाना का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय डा0 चन्द्र मोहन, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी उपस्थित पाये गये। ओ0पी0डी0 काउन्टर पर काफी संख्या में मरीज अपना पर्चा बनवा रहे थे।

चिकित्सालय में फिजिशियन के रूप में मरीजो को देखने हेतु डा0 के0के0शर्मा व डा0 वरूण को तीन-तीन दिन आवंटित किए गए हैं। निरीक्षण के समय फिजिशियन के कक्ष के बाहर मरीजों की लाईन लगी हुई थी परन्तु कोई भी डॉक्टर उपस्थित नहीं थें। काफी समय बाद डा0 के0के0शर्मा उपस्थित हुए उनसे मरीजों की जानकारी चाही गई तो उनके द्वारा कोई संतोशजनक उत्तर नहीं दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि तत्काल अपने कक्ष में रहकर मरीजों को चेकअप कर उपचार की कार्यवाही की जाए। इसी प्रकार नेत्र रोग विषेशज्ञ डा0 अन्जुबाला ढीगरा एवं बाल रोग विषेशज्ञ डा0 स्वाति सागर अनुपस्थित थी। दोनो के कक्षों के बाहर काफी संख्या में मरीज उपस्थित थे। बाल रोग विषेशज्ञ के बाहर तो महिलाए छोटे-छोटे बच्चों के साथ इंतजार कर रही थी। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा उन्हें न तो डॉक्टर के अवकाश की जानकारी दी गई और न ही किसी अन्य डॉक्टर की व्यवस्था की गई। मौके पर उपस्थित चिकित्सा प्रभारी को निर्देश दिए गए कि तत्काल उक्त कक्षों में मरीजों को देखने हेतु डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित कराएं तथा भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति न हो। सी0एच0सी0 में साफ सफाई भी उचित नहीं पाई गई। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये गये कि वह सफाईकर्मी से नियमित रूप से ठीक प्रकार से सफाई कराना सुनिश्चित करें।

बौद्ध संग्रहालय द्वारा आयोजित वाद- विवाद प्रतियोगिता के प्रतिभागी हुए सम्मानित

कुशीनगर। शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर (संस्कृति विभाग, उ०प्र०) एवं राधा कृष्णा धनपाती देवी शिक्षण संस्थान खुखुंदू देवरिया के संयुक्त तत्वाधान में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन राधा कृष्णा धनपाती देवी शिक्षण संस्थान खुखुंदू देवरिया के परिसर मे किया गया। प्रतियोगिता का आरंभ मुख्य अतिथि रवि प्रताप मिश्रा, प्रबंधक राधा कृष्ण धनपति देवी शिक्षण संस्थान, खुखुंदू, देवरिया ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करने के साथ किया गया। प्रतियोगिता में कुल 120 छात्र -छात्राओं द्वारा प्रतिभागिता की गई। प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार सुमित कुमार यादव, द्वितीय पुरस्कार शम्स तबरेज अंसारी, तृतीय पुरस्कार अमन राजभर को व सांत्वना पुरस्कार अदनान अंसारी, किशन पांडे व दीपिका यादव को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरण किया गया। अतिथियों का स्वागत एवं आभार संग्रहालय के श्री तेज प्रताप शुक्ल के द्वारा किया गया। संचालन तरुण शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के मोहम्मद कलाम, सुधीर, रंजीत, पनम, सुमन, पूनम, प्रियंका अन्य उपस्थित रहे।

टेकुआटार - हाटा मार्ग निर्माण हेतु सांसद व विधायक ने किया शिलान्यास

कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के हर गांव का होगा विकास : पीएन पाठक

कुशीनगर। कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के टेकुआटार से हाटा मार्ग का रविवार को टेकुआटार लहवारी चौक पर कुशीनगर सांसद विजय कुमार दूबे व कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने भूमि पूजन के बाद निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। नेशनल हाईवे को जोड़ने वाला यह मार्ग काफी दिनों से क्षतिग्रस्त था। सड़क बनने से सोहसा मठिया, कुरमौटा मंझरिया, रामनगर, देवडार पिपरा, सकरौली, पगारा होते हाटा तक यात्रा काफी सुगम हो जाएगी। शासन ने उक्त सड़क 16.7 किमी लंबे मार्ग निर्माण के लिए 2654.96

लाख का बजट जारी किया है। लोक निर्माण विभाग को कार्यदाई संस्था बनाया है। कुशीनगर सांसद विजय कुमार दूबे ने कहा कि सड़क बनने से टेकुआटार, कुरहवां, परवरपार, सोहसा मठिया, छपरा, नरकटिया, पिपरा रामनगर, देवराज पिपरा सहित हाटा तक जाने वालो के लिए लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। कुशीनगर विधायक श्री पाठक ने कहा कि कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों को मुख्य सड़क से जोड़ा जाएगा ताकि लोगों का आवागमन सुगम हो। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता राजेश निगम निर्माण खंड ने बताया कि यह सड़क निर्माण में मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अध्यक्षता टेकुआटार मंडल अध्यक्ष राजेश राव व संचालन भाजपा नेता अमरनाथ मद्धेशिया ने किया। भाजपा नेता संतोष सिंह, आदित्य त्रिपाठी, अजय शर्मा, वशिष्ट मुनि तिवारी, मनोज कुमार, छत्रशाल, किशन रावत, मुलायम यादव, मनोज जायसवाल, विनोद तिवारी, राणा प्रताप राव, शिवाकांत ओझा सचिन पाठक धनंजय मणि त्रिपाठी अमित मालवीय राज पाठक रूद्र प्रकाश सिंह उमेश राव, राजन, पतिराज चौहान, चन्दप्रभा पांडेय, अम्बरीश कान्दू, मुन्ना चौधरी, शैलेन्द्र कोटेदार, संजय राव मौजद रहे।

एसपी ने पृथ्वीनाथ मंदिर का किया निरीक्षण

महाशिवरात्रि को लेकर तैयारियां सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों का जायजा

गोंडा। में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने खरगूपुर थाना अध्यक्ष कमलाकांत त्रिपाठी के साथ एशिया की सबसे ऊंची शिवलिंग वाले पृथ्वीनाथ मंदिर का निरीक्षण किया। एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि पर लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए आते हैं। इसलिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएं। जिले के सभी पौराणिक और ऐतिहासिक शिव मंदिरों की निगरानी सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से की जाएगी। सभी थाना अध्यक्षों को धर्म गुरुओं, आयोजकों और शांति समितियों के साथ पीस कमेटी की बैठक करने के निर्देश दिए गए हैं। शोभायात्रा और मेले के शांतिपूर्ण आयोजन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। संवेदनशील इलाकों की विशेष निगरानी की जाएगी। नदियों और घाटों पर बैरिकेडिंग की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गोताखोर भी तैनात किए जाएंगे। दरअसल गोंडा जिले के पृथ्वीनाथ, बाबा दुःखहरण नाथ, करोहानाथ और बाबा बालेश्वर नाथ मंदिर सहित कई शिवालियों में लाखों की संख्या में शिव भक्त महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक करते हैं। जलाभिषेक करने से पहले शिव भक्त करनैलगंज के सरयू घाट और अयोध्या के सरयू नदी से जल लेकर के गोंडा आते हैं। जल लेकर आ रहे श्रद्धालुओं को रास्ते में किसी भी प्रकार की दिक्कत प्रणाम इसको लेकर के भी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है।

कसया में 30 रोगियों में वितरित हुआ पोषण की पोटली

कुशीनगर। सीएचसी के परिसर में सोमवार को 30 टीबी रोगियों में प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली वितरित किया गया। जिसमें आईएमए द्वारा 25 मरीजों को चौथे माह की तथा उषा देवी द्वारा एक मरीज को चौथे माह, अंजलि मिश्रा एवं अशोक गुप्ता द्वारा एक-एक मरीज को दूसरे माह की तथा दो नये मरीजों को प्रथम माह की पोटली दी गयी। ईएमए के अध्यक्ष डॉ जीपी राय ने कहा कि जनपद की टीबी मुक्त बनाने के लिये सभी को क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम में सहयोग करने की जरूरत है। सामुहिक प्रयास से ही टीबी रोग का खात्मा किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि आईएमए के सचिव डॉ वाई के मद्धेशिया ने कहा कि आईएमए जनपद को टीबी मुक्त बनाने में अपना पूर्ण योगदान दे रहा है। हम सभी टीबी रोगियों का निःशुल्क उपचार भी कर रहे है। साथ में पोषण की व्यवस्था भी कर रहे है। अध्यक्षता कर रहे अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुवेर्दी ने समाज के सम्भ्रांत व्यक्तियों से टीबी रोगियों को गोद लेने की अपील किये। संचालन निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र ने किया। अतिथियों का स्वागत एमोटीसी डॉ मुकेश यादव ने किया तथा आभार ज्ञापन एसटीएस शाहिद अंसारी ने किया। इस दौरान वरिष्ठ लिपिक अमित सिंह, एएनएम बीना दुबे, ममता, बीसीपीएम प्रकाश, सैम्पल ट्रांसपोर्टर अशोक गुप्ता, धनश्याम प्रसाद, नगीना यादव, गुरुदयाल, पवन आदि उपस्थित रहे।

पत्नी की बीमारी से परेशान युवक ने दी जान

गोंडा। के तरबगंज थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। कटहा गांव के कडहरन पुरवा निवासी 28 वर्षीय मुकेश गुप्ता ने पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। मुकेश दिल्ली में मजदूरी करता था और एक सप्ताह पहले ही अपने गांव आया था। मुकेश की पत्नी पिछले दो महीने से बीमार चल रही थी। वह अपने मायके में रहकर इलाज करवा रही थी। तीन दिन पहले उसकी हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अयोध्या के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। पत्नी की बीमारी को लेकर मुकेश काफी परेशान था। वहीं सीओ उमेश्वर प्रभात सिंह ने बताया कि पति-पत्नी में कोई कहा-सुनी हुई थी। तहरीर नहीं मिली है तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था रविवार रात करीब 10 बजे मुकेश ने तरबगंज-कटहा मार्ग पर कृषि फार्म के पास सड़क किनारे एक पेड़ पर रस्सी से फांसी लगा ली।

लखनऊ में होमगार्ड मुख्यालय के बाबू ने लगाई फर्जी ड्यूटी

लखनऊ। यूपी में बाबू ने डायल-112 में फर्जी ड्यूटी लगाकर तीन महीने की सैलरी हड़प ली। जानकारी होने पर सस्पेंड कराने की धमकी भी दिया। दरअसल, अतुल सिंह 2009 से होमगार्ड के पद पर तैनात हैं। 7 जून 2024 तक उनकी ड्यूटी डायल-112 में थी। अतुल का दावा है कि मां की तबीयत खराब होने पर एक साल तक ड्यूटी न लगाए जाने की मांग की। इसके लिए होमगार्ड जिला कमांडेंट को 10 जून 2024 को एप्लिकेशन भी लिखा। छुट्टी पर जाने के बाद बाबू ड्यूटी लगाता रहा। उसके खाते में तीन महीने की सैलरी डलवाया। बाद में गलती से सैलरी आने की बात कहकर पैसे ले लिया। कोरे कागज में कराया साइन तुल सिंह कहते हैं- हम मां का इलाज करा रहे थे। बाबू लक्ष्मी नारायण यादव का कॉल आया। उन्होंने कहा- आपके अकाउंट में गलती दूसरे लोगों की सैलरी चली गई है। इसे ऑफिस में आकर जमा कर दो। फिर घर के पास बुलाया। पैसा लिया और खाली कागज में साइन कराया। पूछने पर कहा- पैसा वापस मिलने की एप्लिकेशन लगा देंगे। अतुल बताते हैं कि संदेह होने पर विभाग में पता किया तो किसी ने सही जवाब नहीं दिया। मोबाइल पर होमगार्ड एप पर चेक करने पर मालूम हुआ कि तीन महीने से ड्यूटी लगाई जा रही है। जुलाई और अगस्त में डायल-112 में और सितंबर महीने में होमगार्ड मुख्यालय में एसएसओ के कोटे में ड्यूटी लगी थी। जबकि हमने कोई ड्यूटी नहीं की। अतुल का कहना है कि इसमें कई लोगों की मिलीभगत है। बिना ड्यूटी किए सैलरी अकाउंट में डालकर घोटाला किया गया है। अगर ड्यूटी की गई है तो डायल-112 में लगे सीसीटीवी और सर्विलांस की मदद से पूरे मामले की जांच की जाए। इसकी शिकायत कंपनी कमांडर अरुण रावत से भी की गई है। अरुण ने भी नौकरी से निकलवाने की धमकी देकर मुंह बंद रखने की हिदायत देकर भगा दिया है। मामले में लखनऊ जिला कमांडेंट अमरेश कुमार का कहना है कि डीजी होमगार्ड ने जांच के आदेश दिए हैं। फिलहाल होमगार्ड विभाग में छुट्टी का प्रावधान नहीं होता है। जितने दिन काम होता है, उतनी सैलरी मिलती है। अगर किसी कारणवश कोई काम नहीं करता है, तो लेटर देना होता है, जिसकी होमगार्ड कार्यालय से स्वीकृति दी जाती है। अतुल ने किसको एप्लिकेशन दी है, कब दी है, इसकी भी जांच हो रही है। अतुल से बैंक स्टेटमेंट व अन्य साक्ष्य मांगे गए हैं। प्रारंभिक जांच में कार्यालय में आने के हस्ताक्षर का मिलान किया गया है, जो अतुल के ही हैं। फिलहाल जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा।

उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साक्ष्यों के साथ बुलाया, उपस्थित नहीं हुए होमगार्ड हेड क्वार्टर के जॉइंट कमांडेंट जनरल विवेक सिंह ने बताया कि अतुल सिंह की जांच मिली है। पत्र के माध्यम से सोमवार को साक्ष्यों के साथ बुलाया गया था, लेकिन उपस्थित नहीं हुए।

बालक कृष्णा के हत्यारोपी 03 पड़ोसी गिरफ्तार

आज का मुद्दा-हापुड़। थाना गढ़मुक्तेश्वर के अंतर्गत मौहल्ला सेगेवाला में 21 फरवरी की हुई एक 8 वर्षीय बालक कृष्णा सैनी की हत्या के आरोप में पड़ोस में ही रहने वाले दीपक शर्मा व उसकी पत्नी रीना तथा भाई सोनू शर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मृतक का एक लाल रंग का टोपा, एक जोड़ी चप्पल तथा गले का काला धांगा लाकिट सहित बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानेन्ज्य सिंह ने पत्रकारों को बताया कि मौहल्ला सेगेवाला के तेजपाल सैनी अपनी पत्नी संता व इकलौते 8 वर्षीय कृष्णा के साथ रहता है। 21 फरवरी की शाम को कृष्णा अचानक गायब हो गया। पुलिस ने कृष्णा की गुमशुदगी दर्ज कर बालक की खोज तेज कर दी। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज तथा आस-पास के घरों की तलाशी की जा रही थी कि गायब हुए कृष्णा का शव मौहल्ला सेगेवाला एक मकान की छत से बरामद हो गया। पुलिस ने कृष्णा की हत्या के आरोप में मृतक के पड़ोसी दीपक शर्मा, उसकी पत्नी व भाई को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि कृष्णा आरोपियों के बच्चों के साथ मारपीट करता था। जिस कारण रीना परेशान थी। मौके पाकर 21 फरवरी की शाम को आरोपियों ने कृष्णा को गायब कर दिया और उसकी हत्या कर शव को पड़ोसी रस्तौगी की छत पर फैंक दिया। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम को भेज दिया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित स्वयं सहायता समूह द्वारा बनाए गए हर्बल रंग गुलाल

आज का मुद्दा-हापुड़। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित स्वयं सहायता समूह द्वारा हर्बल रंग गुलाल बनाए गए। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा होली पर प्राकृतिक तरीकों से हर्बल गुलाल बनाए गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा स्वयं सहायता समूह की दीदियों को इसके लिए बधाई दी है तथा उनसे हर्बल गुलाल भी क्रय किए गए हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि यह गुलाल पूर्णतः ऑर्गेनिक व बिना केमिकल से बनाए गए हैं जो की हस्त निर्मित भी है जो भी व्यक्ति इन गुलाल को क्रय करना चाहता है वह विकास भवन में संचालित प्रेरणा कैंटीन से इन रंगों को खरीद भी सकता है।

शादी समारोह में मिले राज और उद्धव ठाकरे, मुंबई में हुई राजनीति हलचल तेज

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे की अपने चचेरे भाई और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुंबई में एक विवाह समारोह आमना-सामना हो गया दोनों ने मुलाकात की, जिसके बाद महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनावों से पहले दोनों के बीच राजनीतिक मतभेद सुलझने की अटकलें तेज हो गई हैं। राजनीतिक रूप से अलग हो चुके दोनों भाई रविवार शाम अंधेरी इलाके में एक शादी समारोह में एक साथ देखे गए। शादी समारोह में महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे और उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे से राज ठाकरे ने मुलाकात की। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मनसे और शिवसेना (यूबीटी) के बीच आगामी नगर निगम चुनावों, खासतौर पर आर्थिक रूप से समृद्ध बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनावों को ध्यान में रखते हुए आपसी मतभेद खत्म करने की संभावना बन सकती है। अभी तक नगर निकाय चुनावों की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। पिछले दो महीनों में यह तीसरा मौका था जब दोनों भाइयों की सार्वजनिक रूप से मुलाकात हुई, जिससे दोनों दलों के बीच संबंधों में सुधार की अटकलें तेज हो गई हैं। राज ठाकरे ने 2005 में शिवसेना छोड़ दी थी और अपनी अलग पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का गठन किया था। पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन का हिस्सा रही शिवसेना (यूबीटी) ने 20 सीटें जीती थीं जबकि मनसे एक भी सीट नहीं जीत सकी थी।

भागवत की स्वयंसेवकों से अपील, जाति, पंथ, क्षेत्र और भाषा की परवाह किए बिना मित्रता बढ़ाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने संगठन के सभी स्वयंसेवकों से जाति, पंथ, क्षेत्र और भाषा की परवाह किए बिना विभिन्न समूहों के बीच मित्रता बढ़ाने की अपील की। इस दौरान, संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक समाज के कल्याण के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करते हैं। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि सभी हिंदुओं को आपसी सम्मान और सहयोग के माध्यम से विभिन्न उपयोगों के लिए समान मंदिरों, श्मशानों और पानी को साझा करना चाहिए। भागवत ने जोर दिया कि समग्र रूप से समाज को पर्यावरण की रक्षा के लिए पानी संरक्षण, पौधे लगाने और प्लास्टिक के बर्तनों से बचने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, हर भारतीय को खाद्य पदार्थ, आवास, यात्रा और यहां तक कि अपनी आत्म-अभिव्यक्ति से मेल खाने वाली भाषाएं अपनानी चाहिए। संघ प्रमुख ने फिर कहा कि नागरिकों को पारंपरिक सामाजिक मानदंडों का पालन करना चाहिए, भले ही कानूनी नजरिए से इसतरह के सभी नियमों को कानून नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी दैनिक गतिविधियों में विदेशी भाषाओं का उपयोग करने के बजाय मातृभाषा में बातचीत करनी चाहिए।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान-बांग्लादेश में पक रही नई खिचड़ी

नई दिल्ली।पिछले साल बांग्लादेश छोड़कर भारत में शेख हसीना के शरण लेने के बाद बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ अत्याचार बढ़े, साथ ही मोहम्मद यूनुस की सरकार ने भारत को आंखे दिखाने शुरू कर दी। आलम यह है कि भारत को परेशान करने के लिए अब बांग्लादेश, पाकिस्तान से दोस्ती का हाथ बढ़ाने जा रहा है। उसी मुल्क से जिसने 50 साल पहले बांग्लादेशियों पर बेइंतहा जुल्म किए थे। इस ट्रेड एग्रीमेंट को फरवरी की शुरुआत में अंतिम रूप दिया गया, जब बांग्लादेश ने ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान के जरिए 50,000 टन पाकिस्तानी चावल खरीदने पर सहमति व्यक्त की। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पहली बार, सरकारी माल ले जाने वाला पाकिस्तान नेशनल शिपिंग कॉरपोरेशन (पीएनएससी) का जहाज बांग्लादेशी बंदरगाह पर पहुंचेगा, जो समुद्री व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।साल 1971 की लड़ाई के बाद बांग्लादेश, पाकिस्तान से अलग हुआ था। लेकिन, अब भारत के साथ रिश्ते बिगड़ने के बाद बांग्लादेश ने फिर से पाकिस्तान को गले लगा लिया है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो पाकिस्तान और बांग्लादेश ने 1971 के युद्ध और बंटवारे के बाद पहली बार डायरेक्ट ट्रेड फिर से शुरू कर दिया है, तथा सरकार द्वारा अनुमोदित पहला माल पोर्ट कासिम से रवाना हुआ है।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में हो सकती है बारिश और बर्फबारी

-मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में पारा 6 डिग्री पर पहुंचा, हल्की सर्दी का दौर शुरु

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कल यानी मंगलवार से दो दिन दिन बारिश और बर्फबारी का जताया है। हिमाचल प्रदेश के 4 जिलों चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में 26 और 27 फरवरी को बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों में भी देखने को मिलेगा। इसके चलते पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में 1 मार्च तक बारिश हो सकती है। हालांकि अधिकांश राज्यों में इस हफ्ते अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में तापमान 6.1 डिग्री पहुंच गया है। प्रदेश में हल्की सर्दी का दौर फिर आ गया है। दिन में ठंडी हवा चल रही है तो रात में ठंड हैं। रविवार की रात प्रदेश के तीन शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चल गया। प्रदेश के पूर्वी जबलपुर, सागर, शहडोल-रीवा के साथ भोपाल संभाग में भी पारा लुढ़का गया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिन ऐसा ही मौसम रहेगा। इस दौरान दिन-रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आएगी यानी 24-25 फरवरी को भी हल्की सर्दी का एहसास होगा। शनिवार-रविवार की रात प्रदेश के 3 शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा।

थरूर को मनाने कांग्रेस ने चला बड़ा दांव- मुख्यमंत्री पद का दिया ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर वैसे लंबे समय से अपनी पार्टी से नाराज चल रहे हैं लेकिन बढ़ती नाराजगी अनयिंत्रत हुई तो कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ ही उन्होंने मोर्चा खोल दिया। बीते एक सप्ताह से आ रहे उनके बयान साफ संकेत दे रहे थे कि वे जल्द कांग्रेस छोड़ेंगे और दूसरी पार्टी में शामिल हो जाएंगे। कांग्रेस भी जानती है कि थरुर एक कददावर नेता हैं और पार्टी को उनकी जरुरत है। शायद यही वजह है की कांग्रेस ने उन्हे मनाना शुरु कर दिया है और मुख्यमंत्री का ऑफर भी दे दिया है।

चार बार कांग्रेस से सांसद रह चुके शशि थरूर ने हाल ही में केरल कांग्रेस में नेतृत्व के अभाव को लेकर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए थे। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर अपनी भूमिका को लेकर चर्चा की, जिससे यह अटकलें और तेज हो गईं कि वह पार्टी से दूरी बना सकते हैं। हालांकि, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सुधाकरण ने इस संभावना से इनकार किया और कहा कि थरूर न तो पार्टी छोड़ेंगे और न ही सीपीएम में शामिल होंगे।थरूर ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अगर कांग्रेस अगले विधानसभा चुनावों में सत्ता में आती है, तो वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में रहेंगे। उनका दावा है कि विभिन्न सर्वेक्षणों में उन्हें केरल में सबसे लोकप्रिय कांग्रेस नेता के रूप में दिखाया गया है। यह बयान कांग्रेस के राज्य नेतृत्व के लिए असहज करने वाला साबित हो रहा है। वहीं, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य रमेश चेन्निथला ने थरूर को दी गई जिम्मेदारियों का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें हमेशा प्रमुख भूमिकाएं दी हैं। चेन्निथला ने कहा, कांग्रेस को थरूर की जरूरत है, तभी तो उन्हें चार बार सांसद बनाया गया, केंद्रीय मंत्री पद दिया गया और पार्टी की शीर्ष संस्थाओं में शामिल किया गया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर की पार्टी नेतृत्व से बढ़ती नाराजगी अब खुलकर सामने आ रही है। हाल ही में उन्होंने कांग्रेस में खुद को दरकिनार किए जाने की शिकायत की और यहां तक कह दिया कि अगर पार्टी को उनकी जरूरत नहीं है, तो उनके पास विकल्प मौजूद हैं। थरूर के इस बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और उनके भविष्य को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है।थरूर के हालिया बयानों ले लगता है कि कांग्रेस से उनका मोहभंग बढ़ रहा है। उनकी राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका की मांग और मुख्यमंत्री बनने की इच्छा से पार्टी के अंदर खलबली मची हुई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के मुरलीधरन ने कहा कि थरूर को राष्ट्रीय राजनीति में युवा वोटरों को आकर्षित करने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए, जबकि केरल में पार्टी के स्थानीय नेता संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। हालांकि, थरूर के विकल्प वाले बयान के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या वह किसी नई राजनीतिक राह की ओर बढ़ रहे हैं या फिर कांग्रेस नेतृत्व से अपनी भूमिका को और महत्वपूर्ण बनाने के लिए दबाव बना रहे हैं। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस आलाकमान इस मामले को कैसे संभालता है और थरूर अपने अगले कदम के तौर पर क्या फैसला लेते हैं।

थरूर को लेकर कांग्रेस में नाराजगी

थरूर के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए के सुधाकरण ने उन्हें आगाह किया कि पार्टी लाइन से बाहर जाकर मीडिया में अपनी बात रखना सही तरीका नहीं है। सुधाकरण ने कहा, थरूर के पास अपनी गलतियों को सुधारने का समय है। मीडिया के माध्यम से पार्टी के खिलाफ बयान देना दुर्भाग्यपूर्ण था। किसी को भी अपनी सीमाएं पार नहीं करनी चाहिए।

बिहार में अगला विधानसभा चुनाव मोदी-नीतीश के चेहरे पर ही लड़ा जाएगा

पटना। बिहार में बीजेपी अकेले दम पर चुनाव लड़ती है। पार्टी आम तौर पर किसी एक चेहरे पर नहीं बल्कि कई चेहरों को प्रोजेक्ट कर चुनाव में उतरती है। केंद्र की राजनीति में नरेंद्र मोदी या इसके पहले अटल बिहारी वाजपेयी के चेहरे के साथ तो लड़ती है। 2025 के बिहार विधानसभा का चुनाव एक बार फिर मोदी-नीतीश के चेहरे पर लड़ा जाएगा और इसके संकेत पीएम नरेंद्र मोदी के सोमवार को एक कार्यक्रम से दिए। नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान नई योजनाओं के तोहफे से यह लगता रहा है कि बिहार से एनडीए का चेहरा नीतीश कुमार हैं, लेकिन बिहार विधान सभा चुनाव के दौरान प्रदेश बीजेपी, नीतीश कुमार के पीछे नहीं दौड़ती बल्कि समाज के कई चेहरों को जिम्मेदारियों देकर एक सामाजिक चेहरा भले वह कई जाति विशेष का हो। आगामी विधान सभा चुनाव 2025 के सापेक्ष भी देखें तो भूमिहार समाज उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा, कुशवाहा से सम्राट चौधरी, वैश्य चेहरे के रूप में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय जयसवाल को आगे कर एक जातीय समूह का चरित्र विकसित किया है। यादव के रूप में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, ब्राह्मण के रूप में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय के रूप में सामने लाए हैं।

कांग्रेस ने भूपेश बघेल को बनाया पंजाब का प्रभारी, पद संभालने से पहले लॉबिंग शुरु

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल 28 फरवरी को चंडीगढ़ आ रहे हैं। वह 1 मार्च को कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक करेंगे। नए प्रभारी के आने से पहले गुरदासपुर सांसद और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने मांग की है कि पार्टी में अनुशासन तोड़ने वालों के खिलाफ समय रहते कार्रवाई की जानी चाहिए, क्योंकि कुछ नेता खुद को पार्टी से ऊपर समझते हैं। रंधावा प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के समर्थन में आ गए हैं। उनका कहना है कि राजा को पार्टी हाईकमान ने प्रदेश प्रधान बनाया है। सभी कांग्रेसियों को उनका सम्मान करना चाहिए। हालांकि उन्होंने अपने बयान में किसी नेता का नाम नहीं लिया। जिनके खिलाफ वह कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि कपूरथला के विधायक राणा गुरजीत सिंह ने पिछले दिनों कहा था कि वह व्यक्तिगत रूप से राणा वड़िंग को पसंद नहीं करते हैं, लेकिन पार्टी ने उन्हें प्रधान बना दिया है। इसलिए वह पार्टी के फैसल को मानते हैं। अहम बात यह हैं कि पार्टी के नए प्रभारी और छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पंजाब में चार्ज लेने से पहले ही कांग्रेस में खींचतान शुरू हो गई है। एक तरफ प्रदेश प्रभारी बनने को लेकर लॉबिंग चल रही है तो दूसरी तरफ अनुशासन तोड़ने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग उठ रही है। रंधावा मानते हैं कि वर्तमान में 8 से 9 नेता प्रधानी के लिए दावेदार हैं। बता दें कि भूपेश बघेल 28 फरवरी को चंडीगढ़ आ रहे हैं। वह 1 मार्च को पार्टी के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। प्रभारी बनने के बाद यह उनका पहला दौरा होगा। कांग्रेस में अनुशासनहीनता कोई नया मुद्दा नहीं हैं। 2021 में नवजोत सिंह सिद्धू ने तत्कालीन सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ मोर्चा खोला था। यह लड़ाई इतनी प्रबल हुई की कैप्टन को सीएम की कुर्सी छोड़नी पड़ी थी। उसके बाद सिद्धू ने तत्कालीन सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ मोर्चा खोला। सिद्धू और चन्नी की लड़ाई के कारण कांग्रेस को 2022 में सत्ता गंवनी पड़ी। इसके बाद सिद्धू की जगह पार्टी ने राजा वड़िंग को प्रदेश प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी थी। तत्कालीन प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने सिद्धू को कारण बताओ नोटिस जारी किया लेकिन बाद में उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। ऐसे में अब सबकी नजरें बघेल पर टिकी हुई हैं।

कांग्रेस में जल्द होगी संगठनात्मक सर्जरी, प्रियंका गांधी को मिलेगी जिम्मदारी !

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस कई राज्यों में चुनाव हार चुकी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का रिजल्ट जीरो रहा है। ऐसे में पार्टी के लिए लगातार हार चिंता का कारण बन रही है। यही वजह है कि कांग्रेस चुनाव प्रबंधन तंत्र मजबूत करने के लिए विचार विमर्श कर रही है। इसकी कमान प्रियंका गांधी को सौंपी जा सकती है।

कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) में भी व्यापक बदलाव किए जाने की संभावना है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'निष्क्रिय' सदस्यों को हटाने का फैसला कर लिया है। इनमें एके एंटनी, अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक और आनंद शर्मा शामिल हैं। दरअसल, पार्टी नेतृत्व को 36 सदस्यीय सीडब्ल्यूसी में कुछ नवनियुक्त पदाधिकारियों को शामिल करना है और इस वजह से कार्यसमिति में कुछ नई जगह बनानी होंगी। जयराम रमेश, गौरव गोगोई, रणदीप सुरजेवाला और चरणजीत सिंह चन्नी की भी जगह खाली हो रही है। गौरव गोगोई को असम में कांग्रेस का चेहरा बनाए जाने की संभावना है, जहां अगले साल की शुरुआत में चुनाव है। सुरजेवाला हरियाणा और चन्नी पंजाब में कांग्रेस इकाइयों का नेतृत्व करने की इच्छा रखते हैं। पिछले हफ्ते चन्नी का नाम एआईसीसी महासचिव के रूप में प्रस्तावित हुआ था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए हाथ जोड़ लिए कि उनकी ज्यादा दिलचस्पी तो पंजाब की राजनीति में है।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार पार्टी नेतृत्व रजनी पाटिल (हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की प्रभारी महासचिव), बीके हरिप्रसाद (हरियाणा), हरीश चौधरी (मध्य प्रदेश), गिरीश चोडनकर (तमिलनाडु और पुडुचेरी), अजय कुमार लल्लू (ओडिशा), के। राजू (झारखंड), मीनाक्षी नटराजन (तेलंगाना), ससगिरी शंकर उल्का (मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम और नगालैंड) और कृष्णा अल्लावरु (बिहार) को सीडब्ल्यूसी में शामिल करना चाहता है और इसलिए भी कुछ मौजूदा सदस्यों को हटाना जरूरी हो जाता है। दरअसल, कांग्रेस पार्टी के संविधान के अनुसार एआईसीसी महासचिवों को सीडब्ल्यूसी का सदस्य होना अनिवार्य है। इसी कारण इन पदाधिकारियों को पूर्णकालिक एआईसीसी महासचिव के बजाय 'प्रभारी' (इन-चार्ज) के रूप में नामित किया गया है। सीडब्ल्यूसी में शामिल होने के बाद वे पार्टी महासचिव के रूप में कार्य कर सकेंगे।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई 6 मार्च तक स्थगित

सुलतानपुर (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले में सुलतानपुर की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने सोमवार को मामले की सुनवाई वादी के वकील द्वारा हाजिरी माफी की अर्जी दिये जाने के कारण आगामी छह मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि 11 फरवरी को सुनवाई की पिछली तारीख में शिकायतकर्ता से जिरह की गई थी। जिरह पूरी होने के बाद 24 फरवरी की तारीख तय की गई थी लेकिन चूंकि शिकायतकर्ता के वकील संतोष कुमार पांडे हाजिरी माफी मांगते हुए आज अदालत में पेश नहीं हुए इसलिए न्यायालय ने अगली सुनवाई की तारीख छह मार्च तय की है। यह मामला साल 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के बारे में गांधी द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस मामले में स्थानीय भाजपा नेता मिश्रा ने परिवाद दायर किया था। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के हनुमानगंज के रहने वाले मिश्रा ने 2018 में दर्ज कराये गये मामले में आरोप लगाया था कि गांधी ने वर्ष 2018 में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी जिससे उन्हें ठेस पहुंची है। पिछले पांच वर्षों में इस मामले में कई बार कार्यवाही हुई, लेकिन गांधी अदालत में पेश होने में विफल रहे। दिसंबर 2023 में वारंट के बाद गांधी अदालत में पेश हुए। फरवरी 2024 में कांग्रेस नेता ने समन का पालन किया और विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के मुचलकों पर जमानत दे दी। इसके बाद अदालत ने उन्हें अपना बयान दर्ज कराने का निर्देश दिया, जो कई बार स्थगन के बाद आखिरकार 26 जुलाई 2024 को पूरा हुआ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अदालत में खुद को निर्दोष बताते हुए दावा किया था कि यह मामला उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश का हिस्सा है।

किसानों को मनाने में कामयाब हुए शिवराज, निरस्त कर दिया दिल्ली कूच का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी लोकप्रियता और कार्यशैली के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। इस बार उन्होंने किसानों का दिल जीतने में कामयाबी हासिल की है।

शनिवार को किसानों से चौहान ने बात की फिर खबर आई कि किसानों दिल्ली कूच का प्लान बदल दिया है। किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि जल्द आगे की रणनीति के बारे में ऐलान किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा के साथ चर्चा के बाद ही आगे का प्लान बताया जा सकता है। बता दें कि पिछले साल 13 फरवरी से ही यह किसान आंदोलन शुरू हुआ था। एक साल से ज्यादा का वक्त बीत जाने के बाद भी किसान पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर डटे हुए हैं।

केंद्र सरकार की तरफ से बातचीत के लिए न्योता मिलने के बाद किसान मजदूर मोर्चा (केएमएस) अपनी योजना में बदलाव कर सकता है। किसान संगठन ने 25 फरवरी को दिल्ली कूच करने का ऐलान किया था। हालांकि इसी बीच केंद्र ने 19 मार्च को तीसरे चरण की बातचीत के लिए आमंत्रण भेज दिया है। किसान नेताओं के मुताबिक सरकार बातचीत को जारी रखना चाहती है। ऐसे में किसानों ने अपनी योजना बदल दी है। हालांकि उन्होंने कहा है कि प्रदर्शन जारी रहेगा।

शनिवार को कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चंडीगढ़ में किसानों से बात की थी। किसानों की मांग है कि उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी दी जाए। इसके अलावा अन्य मांगों को लेकर भी कृषि मंत्री ने बात की। अब अगले चरण की बातचीत 19 मार्च को होनी है। शनिवार को किसानों के साथ बैठक के बाद कृषि मंत्री चौहान ने कहा था कि किसान नेताओं के साथ बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई और अगले दौर की वार्ता 19 मार्च को चंडीगढ़ में होगी। चौहान ने बताया कि केन्द्रीय दल ने बैठक के दौरान किसानों के समक्ष किसान कल्याण कार्यक्रम को रखा, जो नरेन्द्र मोदी सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा, गुरमीत सिंह खुड्डियां और लाल चंद कटारूचक भी मौजूद थे।जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंढेर समेत किसानों का प्रतिनिधिमंडल पहले ही बैठक स्थल पर पहुंच गया था।

दिल्ली में सीएम दफ्तर से हटाई गई डॉ आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीर

-पूर्व सीएम केजरीवाल और नेता विपक्ष आतिशी ने जताया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि विधानसभा में सीएम रेखा गुप्ता के दफ्तर से संविधान निर्माता भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीर हटा दी गई है। पूर्व सीएम आतिशी ने कहा कि ये बीजेपी की दलित विरोधी राजनीति को दर्शाती है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार में अरविंद केजरीवाल के बतौर सीएम रहते हुए उनके कार्यकाल में हर सरकारी दफ्तर में डॉ आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीर लगी थी, लेकिन आज जब हम दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता से मिलने विधानसभा स्थित उनके कार्यालय में पहुंचे तो देखा कि दोनों ही तस्वीकर सीएम कार्यालय से हटा दी गई हैं, आप ने इसका विधानसभा में पुरज़ोर विरोध किया।

आप ने दावा किया कि सीएम कार्यालय में अब पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और महात्मा गांधी की तस्वीर लगी है। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी फोटो हटाने को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की नई बीजेपी सरकार ने बाबा साहेब की तस्वीर हटाकर पीएम मोदी की फोटो लगा दी है ये सही नहीं है।

उन्होंने कहा कि इससे बाबा साहेब आंबेडकर के करोड़े अनुयायियों को ठेस पहुंची है। उनहोंने कहा कि मेरी बीजेपी से प्रार्थना है। आप पीएम की फोटो लगा लीजिए लेकिन बाबा साहिब की फोटो तो मत हटाइए। उनकी फोटो लगी रहने दीजिए।

तस्वीरों को लेकर दिल्ली विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। आतिशी ने नए स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को बधाई देने के साथ कहा कि तस्वीरों को हटाना अपमानजनक है। इसको लेकर आप विधायक भी हंगामा करते दिखे। इसपर स्पीकर ने कहा कि शिष्टाचार संबोधन था। राजनीतिक मंच नहीं बनाना चाहिए था। मैं कड़े शब्दों में आतिशी के व्यवहार की निंदा करता हूं।

उप्र चुनाव में क्या मुस्लिम समुदाय की हितैशी बनेगी राहुल गांधी की पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से जुट गई है। प्रदेश कार्यकारिणी से लेकर जिला-शहर व ब्लाक स्तर तक नई कमेटियों का गठन होना है। कांग्रेस ने रणनीति के तहत बसपा पर भी हमला तेज किया है। दिल्ली चुनाव में सपा ने आप (आम आदमी पार्टी) का सहयोग कर जिस तरह कांग्रेस पर दबाव बनाने का प्रयास किया, उसके पलटवार में कांग्रेस मुस्लिम समुदाय की हितैशी बनकर साइकिल की हवा निकालने की कोशिश करेगी।

राहुल गांधी ने रायबरेली में बसपा सुप्रीमो मायावती के दलित समाज के लिए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन का हिस्सा न बनने को लेकर आलोचना भी की। इससे साफ है कि कांग्रेस अपने पुराने वोटबैंक को लुभाने की जुगत में तो है पर मायावती पर सीधा हमला बोलकर खास वर्ग को नाराज भी नहीं करना चाहती। राहुल ने संगठन को हर स्तर पर सक्रिय किए जाने का संदेश भी दिया। कांग्रेस अगले विधानसभा चुनाव में छोटे दलों को साथ मिलाकर अपनी राह तय करने का प्रयास करेगी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार इस बार प्रदेश कार्यकारिणी में 200 से अधिक पदाधिकारी होंगे। इनमें लगभग 20 उपाध्यक्ष, 40 महासचिव व 140 से अधिक सचिव होंगे। पार्टी महासचिव व सचिव को जिलों के बजाए विधानसभा वार जिम्मेदारी देने की तैयारी है। जिससे वह बूथ स्तर तक अपनी गतिविधियों को बढ़ा सके। प्रदेश, जिला व शहर कमेटियों के पुनर्गठन के लिए नामों की सूची तैयार कर ली गई है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय महाशिवरात्रि के बाद सूची लेकर दिल्ली जाएंगे, जहां प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय से विमर्श के बाद सूची केंद्रीय नेतृत्व को सौंपी जाएगी। होली तक नई कार्यकारिणी घोषित हो सकती है। पिछली प्रदेश कार्यकारिणी का गठन नवंबर 2023 में हुआ था, जिसमें 16 उपाध्यक्ष, 38 महासचिव व 76 सचिव शामिल थे।

कुशीनगर के हाटा स्थित मदनी मस्जिद में बुलडोजर चलाए जाने के बाद जिस तरह कांग्रेस अल्पसंख्यक वर्ग के समर्थन में खुलकर खड़ी हुई और सहयोगी दल सपा के नगर पंचायत अध्यक्ष की भूमिका पर सवाल खड़े किए, उससे साफ है कि पार्टी आगे इस रणनीति को और धार देगी। दोनों दलों के बीच आगे खींचतान और बढ़ेगी। कांग्रेस की दूसरी नजर वंचित समाज पर है। इस एजेंडे को पूरा करने के लिए पार्टी नई प्रदेश कार्यकारिणी दलित-मुस्लिम के साथ पिछड़ों की भागीदारी बढ़ाने की तैयारी में है। सभी वर्गों को हिस्सेदारी देने के लिए कार्यकारिणी का स्वरूप भी बड़ा होगा।

बहराइच पत्नी से विवाद के बाद युवक ने चाचा से माचिस लेकर खुद को लगाई आग, लखनऊ रेफर

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा- बहराइच जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र निवासी एक युवक ने रविवार रात को पत्नी से विवाद किया। इसके बाद अपने ऊपर पेट्रोल छिड़कर चाचा के घर गया, माचिस मांगी और खुद को आग लगा दी। गंभीर हालत में उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया है।खैरीघाट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेहड़ा के मजरा भदईपुरवा निवासी अनूप कुमार (31) पुत्र रंगीलाल ने रविवार को शराब का सेवन किया। इसके बाद पत्नी निशा से खूब विवाद किया। रात नौ बजे के आसपास विवाद के बाद उसने अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया। इसके बाद पड़ोस में स्थित चाचा के घर गया।जहां उसने चाचा से माचिस की मांग कर खुद को आग लगा ली। जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। आग बुझाने के बाद उसे सीएचसी ले गए। यहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में डॉ सूर्य विजय सिंह और डॉ पवन सिंह ने प्रथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर कर दिया। डॉक्टर सूर्यभान ने बताया कि युवक लगभग 50 प्रतिशत आगे के हिस्से से झुलस गया था। जिस पर लखनऊ रेफर किया गया है।

किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं, हमारी भूमि के रखवाले और हमारी खाद्य सुरक्षा के संरक्षक हैं : केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी

अमृतसर, 24/2/2024 केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी करने के संबंध में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में कई किसानों और गणमान्य व्यक्तियों के साथ इस कार्यक्रम को वर्चुअली देखा। इस मौके पर संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता किसानों का कल्याण है। उन्होंने कहा, "भारत में किसान अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं। वे हमारी भूमि के रखवाले और हमारी खाद्य सुरक्षा के संरक्षक हैं।" उन्होंने कहा, "हमारे किसान अब ऊर्जा उत्पादक बन गए हैं। पहले कुल इथेनॉल मिश्रण 1.5% था, लेकिन अब यह 19.6% तक पहुंच गया है, जिसके चलते किसानों को 90,000 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। केंद्र सरकार देश भर में इथेनॉल मिश्रण को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, जिसका अंततः किसानों को लाभ होगा। पिछले तीन वर्षों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी कमी आई है।" हरदीप सिंह पुरी ने कहा, "देश के 11 करोड़ से अधिक किसानों को 18 किस्तों के माध्यम से 3.45 लाख करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। 19वीं किस्त जारी होने के साथ ही किसानों के खातों में कुल 3.68 लाख करोड़ रुपये पहुंच जाएंगे। 19वीं किस्त जारी होने से देश भर में 2.41 करोड़ महिला किसानों सहित 9.8 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित होंगे।" अपने संबोधन के बाद, केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर किसानों को मंच पर सम्मानित भी किया।

क्षय रोग विभाग द्वारा जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन, क्षय रोग के विषय में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

आज का मुद्दा-हापुड़। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सुनील कुमार त्यागी के कुशल निर्देशन में एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ0 राजेश सिंह के नेतृत्व में हापुड़ मेरठ रोड स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम औषधालय परिसर में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जागरूकता शिविर में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह द्वारा बताया गया कि किसी भी व्यक्ति को यदि दो सप्ताह से खांसी है खांसी में बलगम आता है बलगम में खून आता है छाती में दर्द रहता है हल्का बुखार रहता है वजन कम हो रहा है भूख कम लगती है रात में सोते समय पसीना आता है या शरीर के किसी हिस्से में कोई गांठ आदि बन रही है तो यह लक्षण क्षय रोग (टी0बी0)की बीमारी के हो सकता है उसे व्यक्ति को टीवी का इंफेक्शन हो इसलिए ऐसे किसी भी व्यक्ति को अपने निकटतम सरकारी अस्पताल में जाकर अपनी जांच करानी चाहिए एवं यदि बीमारी आती है तो अपना उपचार लेना चाहिए कभी भी मरीज को उपचार को बीच में नहीं छोड़ना चाहिए अन्यथा की दशा में बीमारी गंभीर रूप धारण कर लेती है जिला पी0 पी0 एम0 समन्वयक सुशील चौधरी ने बताया कि भारत सरकार टी0 बी0 के मरीजों को उनके अच्छे खान-पान के लिए ₹1000 प्रति माह निश्चय पोषण योजना के अंतर्गत मरीज के बैंक खाते में देती है एवं जनपद की स्वयं सेवी संस्थाओं व औद्योगिक संस्थानों के द्वारा सभी क्षय रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया जाता है ताकि मरीज अच्छी हेल्दी डाइट ले सके एवं जल्द स्वस्थ हो सके इस अवसर पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम के चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 नागेंद्र सिंह एवं केंद्रीय कर्मचारी बीमा निगम के चिकित्सा अधीक्षक डॉ अभिषेक सिंह व फार्मासिस्ट अगम सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

नोएडा में जमीन दिलाने के नाम पर रिटायर्ड कर्नल के साथ धोखाधड़ी, प्रॉपर्टी डीलर ने की 65 लाख की ठगी

नोएडा : सेक्टर 63 थाना क्षेत्र के प्रापर्टी डीलर द्वारा सेवानिवृत कर्नल से 65 लाख रुपये की धोखाधड़ी करना सामने आया है। आरोपित ने अपने चार साथियों संग मिलकर अलीगढ़ में भूखंड दिलाने के नाम पर झांसा दिया। पीड़ित ने प्रॉपर्टी डीलर समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित स्प्रिंग मीडोज के सेवानिवृत कर्नल सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

इसमें बताया कि वह निवेश के लिए जेवर क्षेत्र में भूखंड तलाश कर रहे थे। सेक्टर 63 ए ब्लॉक में कंपनी और प्रॉपर्टी डीलर का कार्यालय चलाने वाले बिहार औरंगाबाद के गांव मिजार्पुर के विकास सिंह से संपर्क हुआ। वर्ष 2020 में विकास ने अलीगढ़ के टप्पल में 220 वर्ग मीटर, 84 वर्ग मीटर व 275 वर्ग मीटर के तीन प्लॉट दिखाए। संपत्तियों के मालिक विक्रम सिंह संग बैठक कराई। विक्रम ने तीनों संपत्ति विकास को विशेष अधिकार अग्रीमेंट सेल द्वारा देना बताया। सौदा होने पर सुरेंद्र ने धनाराशि देना शुरू कर दिया।

बहराइच जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया क्षेत्र भ्रमण

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा- बहराइच 24 फरवरी। आसन्न महाशिवरात्रि एवं होली इत्यादि पर्वों के अवसर पर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के मद्देनजर जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने विकास खण्ड महसी अन्तर्गत महराजगंज कस्बा व फखरपुर के जैतापुर तथा शिवपुर अन्तर्गत बाबा बुढ़ेश्वरनाथ धाम का भ्रमण किया। डीएम व एसपी ने अपर पुलिस अधीक्षक नगर, उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी व अन्य अधिकारियों के साथ महाराजगंज के रामजानकी मन्दिर, जैतापुर स्थित शिव मन्दिर व देवी प्रसाद शिवालय तथा बाबा बुढ़ेश्वरनाथ धाम का भ्रमण कर महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित होने वाले मेलों, भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रमों व निकलने वाली शिव बारात आदि के बारे में जानकारी ली तथा मौके पर मौजूद पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

महाराजगंज कस्बे के भ्रमण के दौरान डीएम व एसपी ने रामजानकी मन्दिर पहुंचकर वहां से निकलने वाली शिव बारात आयोजन समिति के पदाधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा करते हुए परम्परागत ढंग से त्योहार मनाये जाने की अपील की। डीएम व एसपी ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया कि

आयोजन समिति के समन्वय स्थापित करते हुए वॉलिंटियर्स के आधार एवं मोबाइल नम्बर की सूची तैयार कर लें तथा आवश्यकता के अनुसार उनके लिए ड्रेस कोड निर्धारित करने अथवा पहचान पत्र पर विचार करें साथ ही शिवबारात में अप्रिय स्थिति से बचाव हेतु वॉलिंटियर्स की संख्या बढ़ा लें।

डीएम व एसपी द्वारा पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि त्योहार पंजिका का भली प्रकार से अध्ययन कर तद्नुसार आवश्यक प्रबन्ध के साथ-साथ अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती भी की जाय। डीएम व एसपी ने निर्देश दिया कि वरिष्ठ पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी निरन्तर भ्रमणशील रहकर सर्तकता बनाये रखें तथा कानून व शान्ति व्यवस्था बनाये रखने में ड्रोन कैमरों की मदद भी ली जाय।

डीएम व एसपी ने अन्य पुलिस व प्रशासनिक

अधिकारियों के साथ जैतापुर क्षेत्र का भ्रमण कर शिव मन्दिर व देवी प्रसाद प्रधान के शिवालय का भ्रमण कर शिव बारात के रास्तों एवं साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने शिव बारात मार्गों पर उचित प्रकाश की व्यवस्था किये जाने के निर्देश भी दिये। मौके पर मौजूद शिव बारात समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शिव मन्दिर व शिवालय से शिव बारात निकलकर जैतापुर ग्राम का भ्रमण कर देवपुरी डीहा पर सम्पन्न होती है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में गन्दगी पाये जाने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सफाई कर्मी मोहम्मद अहमद को निलम्बित करने तथा एडीओ पंचायत मगन बिहारी का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। डीएम ने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि महाशिवरात्रि के मौके पर सुरक्षा के दृष्टिगत बेरीकेटिंग करा दी जाय तथा सभी प्रमुख शिवालयों एवं मन्दिरों के आस-पास तथा शिवबारात के रास्तों पर पर्याप्त साफ-सफाई भी करायी जाय।

इसके उपरान्त डीएम व एसपी ने अन्य अधिकारियों के साथ विकास खण्ड शिवपुर अन्तर्गत बाबा बुढ़ेश्वरनाथ धाम का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मौके पर मौजूद उप जिलाधिकारी नानपारा अंजनी यादव व बीडीओ शिवपुर अनुष्का श्रीवास्तव ने धाम में चल रहे मेले व आगामी महाशिवरात्रि की तैयारियों के बारे में जानकारी प्रदान की। डीएम व एसपी ने मन्दिर प्रांगंण की साफ-सफाई, श्रद्धालुओं के प्रवेश एवं निकास की अलग-अलग व्यवस्था, महिलाओं एवं पुरूषों के अलग-अलग पंक्ति आदि के सम्बन्ध में निर्देश दिये तथा धाम की पौराणिक महत्ता के दृष्टिगत आगन्तुक श्रद्धालुओं से सुशील व विनम्र व्यवहार करने की अपेक्षा की। इससे पूर्व डीएम व एसपी ने बाबा बुढ़ेश्वरनाथ धाम में जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानन्द कुशवाहा, उप जिलाधिकारी अखिलेश कुमार सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, खण्ड विकास अधिकारी महसी हेमन्त यादव, फखरपुर के अजय प्रताप सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस ने फ्लैग मार्च कर सुरक्षा का अहसास कराया

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

थाना रिसिया की पुलिस ने आगामी पर्व महा शिव रात्रि एवम होली को लेकर फ्लैग मार्च निकाल कर सुरक्षा का अहसास कराया ,और शांति के साथ पर्व मनाने का संदेश दिया,उपद्रवियों और अराजक तत्वों को कड़ा संदेश भी दिया है।वाई फाई,डिजिटल कैमरे से लैस पुलिस बल के साथ दंगा निरोधक टीम भी थी,जो आधुनिक संसाधनों से लैस थी। रिसिया कस्बे केविभिन्न चौराहों और ग्रामीण क्षेत्रों में रूट मार्च कर जनता को सीधा संदेश दिया है । प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह की अगुवाई में रिसिया पुलिस टीमके द्वारा रिसिया मोड़ , नरसिंह डीहा, डिहवा कटिलिया चौराहे के साथ रिसिया कस्बे में फ्लैग मार्चकिया।

पुलिस बल के द्वारा सायरन बजाते देख क्षेत्र की जनता दंग रह गई। प्रभारी निरीक्षक का कहना है की आने वाले दिनों में विभिन्न त्योहारों में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस का सहयोग करें और अप्रिय घटना के साथ अफवाह फैलाने वालों के बारे में 112 के साथ थाना और चौकी पर सूचित करें ।।

प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह, कस्बा चौकी प्रभारी बिहारी सिंह यादव, रिसिया मौड़ चौकी प्रभारी कन्हैया दीक्षित, उ0 नि0 मुकेश पाण्डेय, उ0 नि0 संजय यादव, अयोध्या प्रसाद, उ0 नि0 जाहिद अली,उ0 नि0 सुभाष चौहान, का0 देवेन्द्र कुमार, सुधीर यादव, सुभम, महिला का0 प्रियंका समेत तमाम पुलिस बल उपस्थित रहे

बहराइच डीएम व एसपी ने परीक्षा केन्द्र महाराज सिंह इण्टर कालेज का किया निरीक्षण

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 24 फरवरी। जिले में प्रथम पॉली में संचालित हाईस्कूल की हिन्दी विषय की बोर्ड परीक्षा का जायजा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह के साथ नगर क्षेत्र स्थित परीक्षा केन्द्र महाराज सिंह इण्टर कालेज, बहराइच का औचक निरीक्षण करते हुए परीक्षा केन्द्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापकों व स्टेटिक मजिस्ट्रेटों से जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

परीक्षा केन्द्र के निरीक्षण के दौरान डीएम व एसपी ने कक्ष-कक्षों का निरीक्षण करते हुए केन्द्र व्यवस्थापक को निर्देश दिया कि प्रकाश व्यवस्था को और बेहतर किया जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि जिसे विद्यालय का यहां पर सेन्टर आया है वहां के स्टाफ को ड्यूटी को परीक्षा केन्द्र की व्यवस्था की जिम्मेदारी न सौपी जाय। डीएम व एसपी ने परीक्षा कक्ष के अतिरिक्त सीसीटीवी कन्ट्रोल, प्रश्न

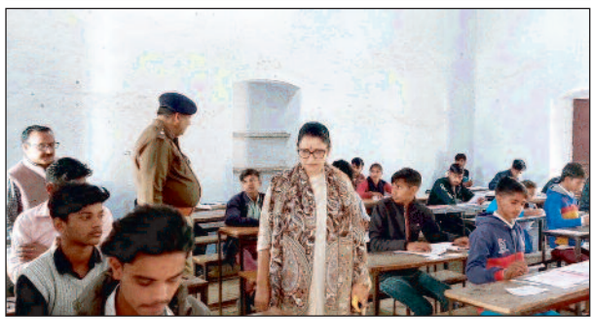

पत्र व उत्तर पुस्तिकाओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गये स्ट्रांग रूम का भी अवलोकन करते हुए केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी व शासन की मंशानुसार पूरी शुचिता के साथ बोर्ड परीक्षा कराया जाय। नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जायेगा परन्तु परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कावड़ यात्रा मार्गो पर एसडीएम के नेतृत्व में किया गया पैदल गश्त

आज का मुद्दा लक्की गौतम

बुलंदशहर शिकारपुर तहसील पुलिस प्रशासन कावड़ यात्रा को लेकर अलर्ट सोमवार देर शाम को एसडीएम दीपक कुमार पाल के नेतृत्व में सीओ शिव ठाकुर एवं शिकारपुर कोतवाली पुलिस ने कावड़ मार्गों पर किया पैदल मार्च तथा फुटपाथ पर अतिक्रमण जमाए बैठे लोगों को दी सख्त चेतावनी सीओ शिव ठाकुर ने बताया है कि कावड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए कावड़ यात्रा मार्गों पर पैदल मार्च किया गया है। तथा व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। कावड़ यात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए शिविर लगाए गए हैं जहां पर श्रद्धालुओं की खाने-पीने एवं ठहरने जैसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। एसडीएम दीपक कुमार पाल ने बताया है कि कावड़ियों के लिए सभी रास्तों पर शिविर लगाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता है इंतजाम भी किए गए हैं जो कि पुलिस सभी जगह गस्त पर अलर्ट रहेगी जिम्मेदार अधिकारी ड्यूटी पर तैनात किए गए हैं जोकि पल पल की जानकारी एसडीएम एवं सीओ को देते रहेंगे किसी भी कावड़िया को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार दुबे सहित समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

त्योहार शांति से मनाए,बदमाशी करने वालो पर सख्त कार्यवाही होगी।.....पूजा चौधरी उप जिला धिकारी

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दाथाना रिसिया के पुलिस चौकी परिसर में पीस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रही उप जिला धिकारी पूजा चौधरी ने महा शिवरात्रि और होली के त्योहार को शांति पूर्वक मनाए, सोशल मीडिया का जमाना है।थोड़ी सी बदमाशी सब पर भारी पड़ेगी,सभी को पाबंद किया जाएगा,संवेदन शील में सिसई सालोन,शंकर पुर सहित नरसिंह डीहा गांव है। सभी लोग समय का ध्यान रखेंगे,और दूसरे धर्म के लोग होली के दिन रंगो से बचने का प्रयास करे।। सीओ हर्षिता तिवारी ने सख्त लहजे में कहा कि डी जे और साउंड पर अश्लील और भड़काऊ गाने न बजाए,होलिका दहन स्थल के रास्ते का निपटारा समय से कर ले, हुड़दंगी और शराबी पुलिस की रडार पर है,जिन पर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी, रिसिया अति संवेदन शील क्षेत्र है।किसी भी अप्रिय घटना को बर्दास्त नही किया जाएगा, साथ ही जमीनी स्तर पर की जाएगी।सुरेश प्रसाद गौतम बीड़ी ओ ने भी त्यौहार को भाई चारे के साथ मनाने की अपील किया ,पीस कमेटी का संचालन प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह ने किया,साथ ही चेयर मैन पति रामू लाल,पूर्व चेयर मैन राजेश निगम,पूर्व चेयर मैन महमूद अहमद, ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर वसीम शेरवानी, कमलेश आर्य,राम निवास प्रधान,सरोज सिंह,रमा शंकर सिंह प्रधान,अजितंजय भारतीय,श्रवण मित्तल, कृष्ण कुमार, लिपिक नवीन, सुभम श्रीवास्तव, अग्रहरि, अफरोज, निजामुद्दीन खान,तौकीर रजा,राम मिलन आर्य सहित मौजूद रहे

भाजपा ने बिछाई बिसात, कांग्रेस के लिए संकल्प पत्र का चक्रव्यूह तैयार

रोहतक 25 फरवरी।(शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा--भारतीय जनता पार्टी ने आज संकल्प पत्र जारी किया। भाजपा नगर निगम चुनाव भी विधानसभा चुनाव की तर्ज पर लड़ने के लिए खुलकर मैदान में है। सोमवार को मुख्यमंत्री ने रोहतक स्थित भाजपा मंगल कमल प्रदेश कार्यालय में नगर निगम चुनाव के लिए संकल्प पत्र जारी करके बिसात बिछा दी है। संकल्प पत्र में "हरियाणा एक-हरियाणवी एक" की झलक साफ दिख रही है। जिन विधानसभाओं में भाजपा के विधायक नहीं है, वहां भी विकास की नई इबारत खींचने के लिए भाजपा ने संकल्प लिया है। भाजपा ने कांग्रेस के लिए चक्रव्यूह रच दिया है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में जिस तरह के वादे किए हैं उससे साफ है कि हर शहर और गांव की तस्वीर बदलने वाली है। संकल्प पत्र में महिलाओं पर विशेष फोकस किया गया है। महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट का वादा, उस टॉयलेट में सेनेटरी नैपकीन वेंडिंग मशीन और शिशु आहार कक्षों की सुविधा सोने पर सुहागे का काम करेगी।विधानसभा चुनाव में जिस तरह संकल्प पत्र जारी किया उसी तरह इस संकल्प पत्र में भी हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। युवा, किसान, गरीब परिवार, छात्र, सफाई कर्मचारी सभी की स्थिति और मजबूत करने के लिए भाजपा ने संकल्प लिया है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भाजपा का संकल्प पत्र हरियाणा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएगा।

कांग्रेस इस बार भी पीछे

भारतीय जनता पार्टी हर वक्त चुनावी मोड़ में रहने वाली पार्टी है। विधानसभा चुनाव की तरह कांग्रेस इस चुनाव में भी पीछे चल रही है। वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धड़ाधड़ चल रही जनसभाओं ने कांग्रेस का गला सुखा दिया है। रोहतक में हुई जनसभा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस को ट्वीट की पार्टी बताया और यह भी कहा कि कांग्रेस के 30ञ40 साल पुराने कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो रहे हैं, इससे साफ है कि कांग्रेस की जड़े हिल चुकी हैं।

संकल्प पत्र से जनता उत्साहित, कांग्रेस चिंतित

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जो संकल्प पत्र जारी किया है, उससे प्रदेश का हर वर्ग उत्साहित है। भाजपा ने कचरा निस्तारण से लेकर हर बूथ पर ऑनलाइन सेवा केंद्र खोलने, सीवरेज और पानी का मुफ्त कनेक्शन, नगर निगमों को टैक्स और फीस तय करने की शक्ति देने की घोषणा करके कांग्रेस की चिंता बढ़ा दी है।

हर क्षेत्र और वर्ग के लिए खास है संकल्प पत्र

भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में हर क्षेत्र और हर वर्ग का ध्यान रखा है। सफाई कर्मियों की अतिरिक्त व्यवस्था करने का वादा किया है। इसी तरह गांवों और शहरों में 20 साल से ज्यादा काबिज वाले मकानों और भूमि का मालिकाना हक देना बड़ी घोषणा है। यही नहीं जो मकान महिलाओं के नाम हैं उन्हें हाउस टैक्स में 25 प्रतिशत छूट देने की घोषणा तारीफ का काबिल है।

अवैध कॉलोनियों को वैध करना बड़ी राहत भरा कदम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संकल्प पत्र में वादा किया है कि अवैध कॉलोनी वैध की जा रही हैं, लेकिन जो अवैध कॉलोनी वैध के दायरे गई और उनके बीच में अवैध रह गई हैं उसे भी वैध किया जाएगा। यह बड़ी राहत देने वाला कदम है। कृषि डोरे और गांवों में हाउस टैक्स का सरलीकरण,अधिग्रहित जमीन से मुक्त मकानों को हाउस टैक्स में राहत देने का संकल्प भाजपा की जीत में अहम भूमिका निभाएगा।

रेहड़ी वालों को आर्थिक मदद, अत्याधुनिक सभागार का वादा नई तस्वीर बनाएगा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भाजपा के संकल्प पत्र में आदर्श पार्क बनाने,उनमें दिव्यांगो के लिए विशेष सुविधा देने का वादा भी किया है। वहीं स्ट्रीट वेंडर्स और फेरी वालों व्यवसाय स्थापित करने के लिए आर्थिक मदद और निकायों में अत्याधुनिक सभागार बनाने का वादा प्रदेश में विकास की नई तस्वीर खींचेगा। वहीं जल निकासी का समाधान, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाना, छात्रों के लिए आधुनिक लाइब्रेरी बनाना, सफाई व्यवस्था को और बेहतर करना, स्ट्रीट लाइट की संख्या दोगुनी करना, गरीब परिवारों के घरों की छत पर सोलर पैनल लगाना, इलेक्ट्रिक बसें चलाना, शमशान घाट में स्वर्ग रोहिणी वाहन उपलब्ध करवाने जैसे वादे जनता को खूब भा रहे हैं। पार्किंग की समस्या का समाधान करना और मजबूत सड़कों का निर्माण, लावारिस पशुओं से राहत देने का वादा दूसरे दलों की चिंता बढ़ाने वाला है। कुल मिलाकर भाजपा के संकल्प पत्र के माध्यम से अपनी जीत का खाका तैयार कर लिया है।

सरस आजीविका मेला 2025 में चौथे दिन पहुंचा ताइवान प्रतिनिधिमंडल

आज का मुद्दा-नोएडा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के सहयोग से आयोजित सरस आजीविका मेला 2025 में चौथे दिन हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट उत्पादों की जमकर बिक्री हुई। यह मेला 21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक नोएडा हाट, सेक्टर-35ए में आयोजित किया जा रहा है। इस मेले का उद्देश्य ग्रामीण भारत की समृद्ध शिल्प कला और संस्कृति को शहरी लोगों के साथ जोड़ना है।

महिलाओं को भा रहे हैं राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ के बैड शीट

मेले में महिलाओं के लिए राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ की बैड शीट खास आकर्षण का केंद्र रहीं। ये उत्पाद न केवल सुंदर हैं, बल्कि टिकाऊ और आरामदायक भी हैं। इसके अलावा, मेले में 400 से अधिक महिला शिल्पकारों ने अपने हस्तकला और पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया। ये महिलाएं विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और अपने कौशल के जरिए ग्रामीण संस्कृति को जीवंत कर रही हैं।

ताइवान प्रतिनिधिमंडल ने भी लिया हिस्सा

मेले के चौथे दिन ताइवान का एक तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी पहुंचा। उन्होंने भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की सराहना की और इन्हें वैश्विक बाजार में बढ़ावा देने की संभावनाओं पर चर्चा की।

इंडिया फूड कोर्ट: क्षेत्रीय व्यंजनों का अनोखा स्वाद

इस बार मेले का एक खास आकर्षण इंडिया फूड कोर्ट भी है। यहां देश भर के 20 राज्यों की 80 उद्यमी गृहणियों ने अपने प्रदेश के प्रसिद्ध क्षेत्रीय व्यंजनों के स्टाल लगाए हैं। इन स्टालों पर हर प्रदेश के व्यंजनों का अनोखा स्वाद चखने को मिल रहा है।

हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की भरमार

मेले में हस्तशिल्प और हथकरघा के उत्पादों की भरमार है। आंध्र प्रदेश की कलमकारी, आसाम का मेखला चादर, बिहार की कॉटन और सिल्क साड़ियां, छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ी, गुजरात का भारत गुंथन और पैचवर्क, झारखंड की तासर सिल्क और कॉटन साड़ियां, मध्यप्रदेश के चंदेरी और बाग प्रिंट, मेघालय के इरी उत्पाद, ओडिशा की तासर और बांदा साड़ियां, तमिलनाडु की कांचीपुरम साड़ी, तेलंगाना की पोचमपुरम साड़ी, उत्तराखंड की पश्मीना, और पश्चिम बंगाल की बालुचरी साड़ियों ने लोगों का ध्यान खींचा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी जलवा

मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी भरपूर आनंद लिया जा रहा है। चौथे दिन महाराष्ट्र के पुष्पांजलि ग्रुप के कलाकारों ने सुप्रसिद्ध लावनी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं, हीटेक इंटरनेशनल स्कूल, गाजियाबाद की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का मंच

सरस आजीविका मेला 2025 न केवल ग्रामीण कलाओं को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का भी एक मंच प्रदान कर रहा है। मेले में देशभर से 400 से अधिक लखपति दीदियों ने भाग लिया। ये महिलाएं अपने उत्पादों के साथ मेले में शामिल हुईं और अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

मेले को सफल बनाने में जुटे अधिकारी

मेले को सफल बनाने के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और एनआईआरडीपीआर पूरी तरह से प्रयासरत हैं। इस अवसर पर एनआईआरडीपीआर के सहायक निदेशक चिरंजीलाल कटारिया के कुशल निर्देशन में सुधीर कुमार सिंह, सुरेश प्रसाद और अन्य अधिकारियों ने मेले की व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग दिया।

सरस आजीविका मेला 2025 ग्रामीण भारत की समृद्ध संस्कृति और कला को शहरी लोगों के साथ जोड़ने का एक बेहतरीन मौका है। यह मेला न केवल ग्रामीण कलाओं को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की शुरूआत दादरी सीमांतर्गत सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल से की गई

आज का मुद्दा गौतमबुद्ध नगर : दिनांक 24 फरवरी 2025 को नगर पालिका परिषद दादरी द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की शुरूआत दादरी सीमांतर्गत सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल से की गई । जिसमें सर्वप्रथम प्रिंसिपल महोदया आशा शर्मा द्वारा अधिशासी अधिकारी महोदया को फ्लावर पोट देकर सम्मानित किया गया । जिसके आगे कार्यक्रम की शुरूआत की गई नरेंद्र सिंह राठौड़ एसबीएम प्रभारी द्वारा मंच का संचालन किया गया जिसके बाद मेरठ मंडल कार्यक्रम प्रबंधक कुणाल किशोर द्वारा भी प्लास्टिक के विषय पर बच्चों को बताया गया और अंत में अधिशासी अधिकारी दादरी शालिनी गुप्ता द्वारा भी कैसे प्लास्टिक को कम किया जाए विषय पर बच्चों के साथ चर्चा की गई । इस अवसर पर नगर पालिका से सोहराब, डॉ रविन्द्र कुमार, विजय कुमार(एस बी ए), डीपीएम विपिन रुहेला, राघवेंद्र जियोस्टेट, शक्ति मिश्रा मैनेजर, हर्ष (hcl fondation) से उपस्थित रहे ।

आईएमएस नोएडा में "बियॉन्ड द बुक्स" कार्यक्रम का आयोजन

आज का मुद्दा-नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में आइडिया शेयरिंग वर्कशॉप का आयोजन हुआ। सोमवार को कार्यक्रम के दौरान बतौर वक्ता ईरिक्रूट.कॉम के सीईओ अजय गोयल ने अपने विचार व्यक्त किए। वहीं संस्थान द्वारा आयोजित इस स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम में आईएमएस स्किल डेवलपमेंट सेंटर की सलाहकार पूजा तलवार एवं संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने अपनी मौजूदगी दर्ज करायी।कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि छात्रों में समग्र विकास के लिए व्यवहारिक अनुभव एवं नई तकनीकों की समझ होना जरूरी है। आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि वास्तविक जीवन की चुनौतियों से निपटने के लिए विद्यार्थियों को आधुनिक कौशल और नवाचार अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बियॉन्ड द बुक्स छात्रों को उद्योग से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें अपने विचार साझा करने और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का भी अवसर प्रदान करती है।मुख्य वक्ता अजय गोयल ने छात्रों को नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों, कौशल विकास और करियर ग्रोथ के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि आज के दौर में कंपनियां केवल डिग्री नहीं बल्कि व्यावहारिक कौशल और समस्याओं के समाधान की क्षमता को अधिक महत्व देते हैं। उन्होंने छात्रों को नवीनतम तकनीकों, डिजिटल परिवर्तन और इंडस्ट्री 4.0 के प्रभाव को समझने के लिए प्रोत्साहित किया।आईएमएस स्किल डेवलपमेंट सेंटर की सलाहकार पूजा तलवार ने भी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला उनके लिए नए अवसरों को पहचानने और अपने विचारों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने का एक बेहतरीन मंच है। उन्होंने छात्रों को रचनात्मक सोच विकसित करने और नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित किया। संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की संयोजक प्रो. शोभा त्रिपाठी एवं प्रो. ज्योति त्रिपाठी ने बताया कि छात्रों के व्यक्तिगत और पेशेवर विकास को बढ़ावा देने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। आइडिया शेयरिंग वर्कशॉप" का उद्देश्य छात्रों को अपने विचारों को साझा करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

जीएल बजाज में हुआ ऑपरेशंस एंड सप्लाई चेन कॉन्क्लेव विंटर 2025 का आयोजन

आज का मुद्दा -ग्रेटर नोएडा। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च ने ऑपरेशंस एंड सप्लाई चेन कॉन्क्लेव विंटर 2025 विषय पर ऑपरेशंस कॉन्क्लेव का आयोजन किया। कॉन्क्लेव आत्मनिर्भर 'विकसित भारत 2047' के लिए अगली पीढ़ी के विश्लेषण के माध्यम से संचालन और आपूर्ति श्रृंखला उत्कृष्टता में बदलाव विषय पर केंद्रित था। कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि प्रोफेसर देबजीत पालित, क्लाइमेट चेंज और एनर्जी ट्रांजीशन सेंटर, द एनर्जी और रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट थे। कॉन्क्लेव में विशिष्ट अतिथि वक्ता थे श्री अंकुर भारद्वाज, उपाध्यक्ष - ऑपरेशंस, खळउढछ, श्री लवकेश देशवाल, प्लांट हेड, डीसीएम सियाराम लिमिटेड और श्री भुवनेश के. शर्मा,एमडी, वीडीटी पाइपलाइन इंटीग्रिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत से हुई । इस आयोजन की अध्यक्षता श्री पंकज अग्रवाल, उपाध्यक्ष, जीएल बजाज ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस और डॉ. सपना राकेश, निदेशक, जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च ने की। डॉ आनंद राय ने स्वागत भाषण से सत्र का शुभारंभ किया। प्रौद्योगिकी और नवाचार ने संचालन और आपूर्ति श्रृंखलाओं के भविष्य को फिर से लिखा है। अगली पीढ़ी के संचालन और आपूर्ति श्रृंखला ने भविष्य के उद्योग को आकार देने वाली अत्याधुनिक रणनीतियों, डिजिटल परिवर्तन और टिकाऊ समाधानों का पता लगाने के लिए अग्रदूतों और दूरदर्शी लोगों को एक साथ लाया।इस मौके पर कॉन्क्लेव संकाय समन्वयक डॉ. शरत शर्मा, डॉ. राशि होरा, प्रोफेसर रवि किशोर रंजन और प्रोफेसर अभिनव कटियार थे। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों और छात्रों को धन्यवाद दिया।

प्रमुख आकर्षण

•भविष्य के लिए तैयार सप्लाई चेन के लिए एआई और एमएल पर आधारित भविष्यवाणी विश्लेषण

••डिजिटल रूप से जुड़े और पारदर्शी सप्लाई चेन इकोसिस्टम के लिए आईओ टी और ब्लॉकचेन।

•भारत के लिए स्थायी और हरित लॉजिस्टिक्स।

••स्थानीय निमार्ताओं के लिए डेटा-संचालित सशक्तिकरण ताकि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता प्राप्त कर सकें।

मोटापा एक एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या,जीवनशैली में सुधार से कम होगा मोटापा

आज का मुद्दा-नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोटापा कम करने को लेकर शुरू किए गए अभियान का फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ डीके गुप्ता ने स्वागत किया है।डॉ डी.के. गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा मोटापे के खिलाफ शुरू किया गया यह अभियान लोगों को जागरूक करेगा और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। अगर लोग अपने खान-पान पर ध्यान दें और नियमित व्यायाम करें, तो मोटापे की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। मोटापा भारत में एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। खासकर युवा वर्ग तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है। उन्होंने बताया

कि मोटापे का मुख्य कारण असंतुलित खान-पान और खराब जीवनशैली है। अधिक काबोहाइड्रेट और वसा युक्त भोजन का सेवन, जैसे कि चावल, रोटी, चीनी और तेल का अधिक मात्रा में उपयोग, मोटापे को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, फास्ट फूड और पैकेज्ड फूड का अत्यधिक सेवन भी मोटापे का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने बताया कि जंक फूड, अधिक तेल, चीनी और कैलोरी युक्त भोजन का सेवन मोटापे को बढ़ाता है। नियमित व्यायाम न करने से शरीर में अतिरिक्त चर्बी जमा होती है। यदि परिवार में किसी को मोटापे की समस्या है, तो अगली पीढ़ी को भी इसका खतरा अधिक रहता है। खराब मानसिक स्वास्थ्य और अनियमित नींद चयापचय (मेटाबॉलिज्म) को प्रभावित करती है, जिससे वजन बढ़ता है। थायरॉयड, डायबिटीज और अन्य हार्मोनल समस्याएं मोटापे का कारण बन सकती हैं। मोटापे के कम करने के लिए जरूरी है संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें। तेल और कैलोरी का सेवन सीमित करें। रोजाना कम से कम 30 मिनट की एक्सरसाइज करें, जैसे योग, वॉकिंग, रनिंग, और साइकलिंग। अधिक वजन होने पर डॉक्टर की सलाह लें और जरूरत पड़ने पर चिकित्सा उपचार अपनाएं। देर रात खाना खाने से बचें, समय पर सोएं और स्ट्रेस मैनेजमेंट करें। अत्यधिक मोटापे के मामलों में बैरिएट्रिक सर्जरी एक विकल्प हो सकता है। बता दे कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में मोटापे की गंभीर स्वास्थ्य समस्या पर चर्चा की और इसके नियंत्रण के लिए लोगों को जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर आठ में से दूसरा व्यक्ति मोटापे की समस्या से जूझ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में दुनिया भर में 250 मिलियन से अधिक लोग मोटापे से ग्रस्त थे। प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने खानपान में बदलाव लाएं और हर महीने खाने में 10 प्रतिशत कम तेल का उपयोग करें। उन्होंने लोगों से यह भी आग्रह किया कि वे इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए दूसरों को भी प्रेरित करें।

मोटापे के लक्षण

(1)शरीर का वजन और चर्बी सामान्य से अधिक बढ़ जाना।
(2)तेजी से सांस फूलना और कम ऊर्जा महसूस करना।
(3)जोड़ों और घुटनों में दर्द।
रक्तचाप और शुगर लेवल में वृद्धि।
(4)नींद से संबंधित विकार (स्लीप एपनिया)।

मोटापे से बचाव के उपाय

(1)रोजाना हेल्दी डाइट लें और प्रोसेस्ड फूड से बचें।
(2)दिनचर्या में एक्सरसाइज और योग को शामिल करें।
(3)पानी अधिक मात्रा में पिएं और हाइड्रेटेड रहें।
(4)पर्याप्त नींद लें और तनाव को कम करने के उपाय अपनाएं।
नियमित हेल्थ चेकअप कराएं ताकि वजन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखी जा सके।

स्वयंसेवकों ने कालिंदी कुंज यमुना तट को किया स्वच्छ

आज का मुद्दा

नोएडा। वाईएसएस फाउंडेशन ने नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा के सहयोग से कालिंदी कुंज यमुना तट पर सफाई अभियान चलाया, जिसमें 250+ स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस अभियान का उद्देश्य नदी संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।संस्थान के यमुना कॉर्डिनेटर दिनेश कुमार ने कहा कि यमुना का संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। यह अभियान सिर्फ सफाई ही नहीं, बल्कि एक स्थायी पर्यावरण आंदोलन है।यह वाईएसएस फाउंडेशन की 200वीं यमुना सफाई पहल थी, जिसमें छात्रों, पेशेवरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय योगदान दिया।

डूक इंटरनेशनल ने की 3,500 से अधिक ट्रैवल एजेंट्स के साथ सहभागिता

आज का मुद्दा-नई दिल्ली। यात्रा और पर्यटन उद्योग में अग्रणी नाम,डूक इंटरनेशनल ने रअळळए(दक्षिण एशिया का यात्रा और पर्यटन एक्सचेंज) 2025 में अपनी सफल उपस्थिति दर्ज कराई। दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा ट्रैवल और टूरिज्म प्रदर्शनी यशोभूमि, द्वारका में आयोजित हुई, जहां उद्योग के पेशेवरों के लिए नेटवर्किंग, ज्ञान-साझाकरण और व्यावसायिक सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया गया।

इस भव्य आयोजन में डूक इंटरनेशनल ने 3,500 से अधिक ट्रैवल एजेंट्स के साथ बातचीत की, जिसमें कंपनी ने अपनी विविध यात्रा सेवाओं, नवीन समाधानों और वैश्विक यात्रा अनुभवों को बेहतर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। इस सहभागिता ने कंपनी की भागीदारी को मजबूत किया, नए अवसरों की खोज की और ट्रैवल इंडस्ट्री में अपने विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया।डूक इंटरनेशनल के निदेशक गोपाल कपूर ने कहा कि "SATTE(दक्षिण एशिया का यात्रा और पर्यटन एक्सचेंज) 2025 में हमारा अनुभव शानदार रहा। हजारों उद्योग पेशेवरों के साथ बातचीत करके हमें यात्रा क्षेत्र में सहयोग और नवाचार की शक्ति पर और अधिक विश्वास हुआ है।हम इन संबंधों को और मजबूत करने और प्रभावशाली साझेदारियों को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं।डूक इंटरनेशनल के बूथ को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। यात्रा पेशेवरों ने कंपनी की अनुकूलित यात्रा योजनाओं, डिजिटल बुकिंग समाधानों और डेस्टिनेशन मैनेजमेंट विशेषज्ञता को जानने में गहरी रुचि दिखाई। यह आयोजन यात्रा और पर्यटन उद्योग में नवीनतम रुझानों, चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा करने का एक आदर्श मंच साबित हुआ।यात्रा क्षेत्र के निरंतर विकास के साथ, डूक इंटरनेशनल उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने और वैश्विक स्तर पर मजबूत इ2इ संबंध स्थापित करने के प्रति प्रतिबद्ध है। कंपनी SATTE(दक्षिण एशिया का यात्रा और पर्यटन एक्सचेंज) 2025 से मिले अनुभवों और सहयोगों का लाभ उठाकर अपने भागीदारों और ग्राहकों के लिए यात्रा अनुभव को और भी उन्नत करने के लिए तत्पर है।

युवती से बात करने के आरोप में दी सजा, चार आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा की बिसरख कोतवाली पुलिस ने छात्रों को बंधक बनाकर पिटाई करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान तिगरी निवासी सलेख, दीपक व बहरामपुर निवासी गौतम व राजकुमार के रूप में हुई है। आरोप है कि पीड़ित छात्रों के स्कूल पास एक आरोपी का घर है। आरोपियों को शक था कि दोनों छात्र उसके परिवार की युवती से बातचीत करते हैं। इसी बात को लेकर आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों छात्रों को कमरे में बंधक बनाकर पीटा। गाजियाबाद निवासी दोनों छात्रों ने बिसरख कोतवाली में केस दर्ज कराया है कि 21 फरवरी को उनके जानने वाले दीपक ने फोन कर तिगरी फील्ड पर बुलाया। जब दोनों वहां पहुंचे तो दीपक और उसके साथी मुन्ना और सलेख गौतम ने उन्हें जबरन अपनी कार में बैठा लिया और होटल ले गए। होटल पहुंचते ही आरोपियों ने विजय और अमन को गालियां दीं और कहा कि वे उनके घर के आसपास ज्यादा घूमते हैं और खुद को बड़ा नेता समझते हैं। इसके बाद चारों आरोपियों ने पीड़ितों को बेल्ट, डंडा और हॉकी से बेरहमी से पीटा और उनके कपड़े उतरवा दिए। आरोपियों ने मुंह में पिस्टल देकर जान से मारने की धमकी दी गई। मारपीट करने के बाद आरोपियों ने छात्र के गले से सोने की चेन निकाल ली।

नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फाउंडेशनल स्टेज पर विशेष कार्यशाला का आयोजन

आज का मुद्दा-जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर में शिक्षक-शिक्षिकाओं की दक्षता को बढ़ाने और उन्हें नवीनतम शैक्षिक प्रवृत्तियों से अवगत कराने के उद्देश्य से 'नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फाउंडेशनल स्टेज' विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 70 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारम्भ विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा,प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा, मुख्य रिसोर्स पर्सन्स श्रीमती इन्दु यादव एवं डॉ. आशीष मित्तल के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।इस अवसर पर मुख्य रिसोर्स पर्सन्स इन्दु यादव एवं डॉ. आशीष मित्तल का विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा एवं प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा द्वारा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया।

मुख्य रिसोर्स पर्सन श्रीमती इन्दु यादव ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के फाउंडेशनल स्टेज से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह रूपरेखा [नई शिक्षा नीति-2020] के अंतर्गत विकसित की गई है, जो प्रारंभिक बचपन की शिक्षा को अधिक प्रभावी एवं समावेशी बनाने पर बल देती है। उन्होंने बाल केंद्रित शिक्षण विधियों, खेल-आधारित अधिगम, भाषा विकास, सामाजिक और भावनात्मक विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही, रिसोर्स पर्सन डॉ. आशीष मित्तल ने भी फाउंडेशनल स्टेज की विभिन्न कार्यप्रणालियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रारंभिक शिक्षा किसी भी बच्चे के संपूर्ण विकास की नींव होती है, इसलिए शिक्षकों को इसे एक रोचक, व्यावहारिक और समावेशी तरीके से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षकों को एक्टिव लर्निंग, स्टोरीटेलिंग, थीम-बेस्ड लर्निंग जैसी रणनीतियों को अपने शिक्षण में शामिल करने के लिए प्रेरित किया।इस कार्यशाला में उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने शिक्षा की नवीनतम पद्धतियों, नवाचारों और चुनौतियों पर चर्चा की।कार्यशाला के दौरान समूह गतिविधियों, विचार-विमर्श, और प्रश्नोत्तरी सत्र का भी आयोजन किया गया, जिससे शिक्षक-शिक्षिकाओं ने व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।कार्यशाला के समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा ने रिसोर्स पर्सन्स श्रीमती इन्दु यादव एवं डॉ. आशीष मित्तल का विद्यालय में कार्यशाला करने के लिए आभार व्यक्त किया।उन्होंने शिक्षक-शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फाउंडेशनल स्टेज' शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और बालकेंद्रित बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने शिक्षकों से इस कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान को कक्षा शिक्षण में लागू करने का आह्वान किया, ताकि बच्चों का संपूर्ण बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास सुनिश्चित किया जा सके।इस कार्यशाला ने शिक्षक-शिक्षिकाओं को नई शिक्षा नीति - 2020 के अनुरूप शिक्षण पद्धतियों को अपनाने और बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने का अवसर प्रदान किया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी बताया और भविष्य में भी इस प्रकार की ज्ञानवर्धक कार्यशालाओं के आयोजन की इच्छा व्यक्त की।

सार्वजनिक सूचना

I RUCHI NANDISH KUMAR W/O NANDISH KUMAR R/O S-75 SECTOR 12 NOIDA (U.P) HAVE CHANGED MY NAME FROM RUCHI KANT TO RUCHI NANDISH KUMAR FOR FUTURE REFERENCES.